सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 117 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 09 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बीजापुर में सीजी-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ 31 नक्सली ढेर, दो जवान भी हुए शहीद

बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में मुठभेड़, दो जवान घायल भी हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक और बड़ा एनकाउंटर हुआ है बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है। यही नहीं मुठभेड़ में 2 जवान भी शहीद हो गए हैं और 2 जवान घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। फिलहाल मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है। बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में सर्चिंग जारी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

बताया जा रहा है कि बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स को सर्चिंग के लिए रवाना किया गया। रविवार की सुबह फोर्स नक्सलियों के करीब पहुंच चुकी थी। इस दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए नक्सलियों में बड़े लीडर व इनामी भी शामिल हैं। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र की सर्चिंग की जा रही है। बताया जा रहा है कि मारे गए नक्सलियों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

पुलिस को मिली थी नक्सलियों की मौजूदगी सूचना

बस्तर आईजी सुंदराराज पी ने बताया कि सुंदरराज पी ने बताया कहा कि, माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद फोर्स को मौके के लिए निकाला गया था। बीजापुर डीआजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर्स के जवानों ने नक्सलियों को घेरा। उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह से ही रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है। नक्सलियों को भारी नुकसान हुआ है और कितने नक्सली मारे गए यह अभी स्पष्ट नहीं है। यह संख्या 12 के ऊपर हो सकती है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। मौके से बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए गए हैं। वहीं दोनों घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है। उन्हें हायर सेंटर में बेहतर इलाज के लिए भेजा जाएगाद्य इसके साथ ही अतिरिक्त बल को बैकअप के लिए मौके पर भेजा गया है। फिलहाल जवानों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है जल्द ही मारे गए नक्सलियों की एग्जेक्ट संख्या बताई जाएगी।

इसी माह 2 फरवरी को मारे गए थे 8 नक्सली

बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में 2 फरवरी को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 8 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए माओवादियों में सभी पुरुष नक्सली थे। सुरक्षाबलों के करीब 800-1000 जवानों ने पीएलजीए कंपनी नंबर 2 के नक्सलियों को घेरा था। इनमें बड़े लीडर्स भी थे। मौके से फोर्स ने इंसास समेत 303, 12 बोर, बीएलजी लॉन्चर बरामद किया। बता दें छत्तीसगढ़ में इस साल अब तक 81 नक्सली मारे गए हैं, जिसमें से 65 बस्तर संभाग में ढेर हुए हैं। इसमें बीजापुर सहित 7 जिले शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक 2024 में अलग-अलग मुठभेड़ों में जवानों ने 219 नक्सलियों को ढेर किया था।

20 दिन पहले गरियाबंद में 16 नक्सली मारे गए

लगभग 20 दिन पहले 20-21 जनवरी को गरियाबंद जिले के जंगल में भी मुठभेड़ हुई थी। करीब 80 घंटे तक चले इस ऑपरेशन में 16 नक्सली मारे गए। इनमें से 12 नक्सलियों पर कुल 3 करोड़ 16 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मारे गए नक्सलियों में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का मेंबर चलपति भी है। अकेले चलपति पर ही 90 लाख का इनाम था। वहीं नुआपड़ा गरियाबंद धमतरी डिवीजन कमेटी का प्रमुख सत्यम गावड़े भी एनकाउंटर में मारा गया था।

बीजापुर मुठभेड़ पर बोले सीएम साय- जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में हुए मुठभेड़ सीएम विष्णुदेव साय का बयान आया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में 2 जवान शहीद एवं 2 जवान के घायल होने की भी दु:खद खबर प्राप्त हुई है। सीएम साय ने कहा जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में मार्च 2026 तक हमारा प्रदेश नक्सलवाद मुक्त होकर रहेगा। इस दिशा में सुरक्षाबल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। देश-प्रदेश में कैंसर रूपी नक्सलवाद का अंत तय है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ की बेटी ने किलिमंजारो पर्वत में तिरंगा फहराया, सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी पर्वतारोही निशा यादव ने अफ्रीका महाद्वीप के किलिमंजारो पर्वत में तिरंगा फहराया है। इनकी सफलता पर सीएम साय ने उन्हें बधाई दी। एक्स पर पोस्ट कर सीएम साय ने कहा कि आखिरकार पर्वतारोही बेटी निशा यादव ने अफ्रीका महाद्वीप के किलिमंजारो पर्वत में तिरंगा फहराकर अपने सपने को पूरा कर लिया है। बिलासपुर के ऑटो चालक पिता की बेटी निशा यादव ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना हौसला नहीं खोया, अपनी अथक मेहनत और कड़े संघर्ष से किलिमंजारो पर्वत को फतह कर पूरे विश्व में छत्तीसगढ़ महतारी का मानवर्धन किया है। कुछ महीने पहले निशा से बिलासपुर में मुलाकात हुई थी और बिटिया को उसके सपने को पूरा करने के लिए 3.45 लाख रुपए का चेक प्रदान कर लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी थी। निश्चित ही बिटिया निशा की यह उपलब्धि प्रदेश के असंख्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।निशा को बहुत-बहुत बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं।

रायपुर में तेज रफ्तार हाईवा ने युवक को कुचला, सड़क के टर्निंग में मारी टक्कर

रायपुर। रायपुर में एक तेज रफ्तार हाईवा ने एक युवक को कुचल दिया है। यह पूरा हादसा माना थाना इलाके के भटगांव में सड़क के टर्निंग में हुआ है। बताया जा रहा है कि मृतक रायपुर में तैनात फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारी का भतीजा है। वह बाइक से एक फंक्शन अटेंड करने गांव जा रहा था इस दौरान हादसा हुआ। इस मामले में फिलहाल आरोपी हाईवा ड्राइवर की पुलिस तलाश कर रही है।

माना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना शनिवार दोपहर के वक्त हुई है। मृतक भास्कर वर्मा(22) माना स्थित अपने घर से अपने गांव चिवरी जा रहा था। जहां उसे कोई फंक्शन अटेंड करना था। वह भटगांव के पास पहुंचा तो सड़क के टर्निंग में दूसरी तरफसे तेज रफ्तार हाईवा आ रहा था। हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे युवक चपेट में आ गया। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है। परिजानों ने पुलिस से जल्द ही इस मामले में आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

बिलासपुर में जहरीली शराब पीने से सात की मौत और चार की हालत गंभीर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पिछले चार दिन में जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य की हालत गंभीर है। उनका सिम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना कोनी के लोफंदी में हुई। मरने वालों में गांव के सरपंच का भाई भी शामिल है।

उधर, सरपंच रामाधर सुन्हाले ने कहा कि पिछले चार दिनों में गांव में नौ लोगों की मौत हुई। जब प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस गांव में पहुंची तो एक शव को छोड़कर सभी अंतिम संस्कार किया जा चुका था। इस शव को पोस्टमार्टम के लिए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर भेजा गया है।

दुर्ग जिला अस्पताल में बच्चों की अदला बदली : डीएनए रिपोर्ट के बाद शबाना और साधना को सौंपे गए बच्चे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिला चिकित्सालय के शिशु वार्ड से बच्चों के अदला-बदली मामले में अब दोनों माताओं को राहत मिली। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद शबाना और साधना को उनके वास्तविक बच्चों को सौंप दिया गया है। शनिवार को रिपोर्ट आई और उसके बाद सक्षम अधिकारियो के समक्ष बच्चों को अपनी अपनी मां को सौंप दिया गया है। वास्तविक बच्चों को पाकर दोनों माताओं के चेहरों पर मुस्कान दिखी

बता दें जिला अस्पताल दुर्ग में शिशु वार्ड के स्टाफकी लापरवाही के कारण दो बच्चो की अदला बदली हो गई थी।यह मामला तब उजागर हुआ था जब शबाना के परिवार के लोगो ने घर पहुंचकर साधना के बच्चे के हाथ में लगे टैग को देखा। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर सरकारी

अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टरों को उनके द्वारा पूरी जानकारी दी गई। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन भी सकते में आ गया। साधना के परिवार के लोगो को बुलाकर बच्चे को शबाना को सौंपने को कहा।

इसमे दुविधा तब हुई जब साधना और शबाना के बच्चे को अपना बच्चा बताती रही। जिसके कारण शबाना का परिवार डीएनए टेस्ट करवाने की मांग करने लगा। इसके दो दिन पहले दुर्ग कलेक्टर और सीडब्ल्यूसी के दिशा निर्देश पर टेस्ट करवाया गया। शनिवार को डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट आ गई। इसके बाद जिला अस्पताल प्रशासन ने सक्षम अधिकारियों के सामने शबाना और साधना को उसके वास्तविक बच्चों को सुपुर्द कर दिया गया है। दोनों परिवार के लोगो ने बताया कि उनका अपना बच्चा मिल गया है।

इधर दुर्ग जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने हेमंत साहू और इस मामले के नोडल अधिकारी आईएएस एम भार्गव ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया में तेजी दिखाई गई और दो दिनों में बंद लिफाफे में भेजी गई रिपोर्ट को सबके समक्ष खोला गया। जिसमें बच्चो के जैविक माता पिता की पहचान हुई है। इसके बाद दोनों परिवार को उनके नवजात शिशुओं को सौंपा गया है। हॉस्पिटल स्टॉफ की लापरवाही को लेकर कहा गया कि इसके लिए एक समिति बनाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ से लौट रहे छत्तीसगढ़ के चार श्रद्धालुओं की हादसे में मौत, यूपी के सोनभद्र में हुआ एक्सीडेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। महाकुंभ से लौट रहे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं की कार हादसे का शिकार हो गई। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में बेलोरो और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कुंभ से लौट रहे छत्तीसगढ़ के 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। वहीं 6 लोग घायल हो गए हैं। घटना उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में बभनी थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ से श्रद्धालु महाकुंभ स्नान के लिए बोलेरो से गए थे। स्नान व आसपास के क्षेत्रों का दौरा करने के बाद सभी वापस बुलेरों में लौट रहे थे। सोनभद्र के बभनी थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह 6:30

बजे बुलेरो सामने से आ रही ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बोलोरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 4 की मौत हो गई व 6 लोग घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी भेजा गया है।

हादसे में मरने वालों की पहचान रायगढ़ निवासी लक्ष्मीबाई (30), अनिल प्रधान (37), ठाकुर राम यादव (58) और रुक्मणी यादव (56) के रूप में हुई। वहीं घायलों में रामकुमार (33), दिलीप देवी (58), अभिषेक, अहान (4), योगी लाल (36), हर्षित (2), सुरेंद्री देवी (32) शामिल हैं। सभी घायलों को पास के अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

आईआईटी भिलाई की छात्रा से डेढ़ लाख की ठगी, क्रेडिट कार्ड अपडेट का आया था कॉल

■ जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने दर्ज किया मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई में पीएचडी कर रही एक छात्रा से डेढ़ लाख की ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात कॉलर ने छात्रा को कॉल कर उनके क्रेडिट कार्ड को अपड़ेट करने व इंश्योरेंस सर्विस को डिएक्टिवेट करने की बात कही। कॉलर के साथ छात्रा ने क्रेडिट कार्ड की जानकारी साझा की और सामने वाले ने डेढ़ लाख से ज्यादा की रकम ट्रांजेक्शन के माध्यम से पार कर दिया। इस मामले में छात्रा की शिकायत पर जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में शिवानी ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई है। शिवानी ठाकुर आईआईटी भिलाई में पीएचडी कर रही है। उसने बताया कि 7 फरवरी को एक फोन आया और सामने वाले ने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड को अपड़ेट करना है और इसमें इंश्योरेंस सर्विस एक्टिव है उसे भी हटाना है। छात्रा कॉलर के झांसे में आ गई और उसे क्रेडिट कार्ड से जुड़ी कुछ जानकारियां दे दी।

इसके बाद रात 8 बजे व 8.06 बजे दो बार ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन के जरिए 51,268.50 रुपए तथा 1,02,347.19 रुपए कु ल 1 लाख 53 हजार 615.69 रुपए निकाल लिए गए। जैसे ही यह ट्रांजेक्शन हुआ तो लगा कि अज्ञात कॉलर ने उससे ठगी की है। इसके बाद छात्रा शिवानी ठाकुर ने इसकी जानकारी बैंक को देकर कार्ड ब्लाक कराया। इसके बाद साइबर सेल भी कंपलेन दर्ज कराई है। अब इस मामले में जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने अपराध दर्ज किया।

दिल्ली में ऐसे डूबी 'आप' की नैया

श्रीकंचनपथ

दिल्ली की सत्ता पर 26 साल बाद भाजपा ने जोरदार वापसी की है। 47।15 प्रतिशत वोटों के साथ उसने 70 में से 48 सीटें जीत लीं। आप पिछले चुनाव के 62 सीटों के मुकाबले इस बार 22 पर सिमट गई। उसे 40 सीटों का नुकसान हुआ जो सीधे भाजपा के खाते में जुड़ गई जिसने पिछले चुनाव में केवल 8 सीटें जीती थीं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि आप अर्श से सीधे फर्श पर आ गई? दरअसल, इस चुनाव को जीतने के लिए भाजपा ने जिस तरह की किलेबंदी की थी, वह सीखने की चीज है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल लगातार भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। ऐन चुनाव के बीच भी इससे जुड़ी खबरें आती रहीं। भाजपा जानती है कि इस देश का आदमी अपने दुख से ज्यादा दुखी नहीं होता। इससे कहीं ज्यादा दुख उसे दूसरे के सुख से होता है। दिल्ली सीएम के आलीशान बंगले ने केजरीवाल की सादगी पूर्ण और जनता जनार्दन वाली छवि को नुकसान पहुंचाया। चुनाव के आखिरी दिनों में एक व्हाट्सअप मैसेज कहीं से चला जिसमें किसी अरविन्द केजरीवाल से जुड़ी एक खबर को लिया गया था। इसमें अखबार की कतरन जैसी एक क्लिप जुड़ी थी। इसमें न तो अखबार का नाम दिखाई दे रहा था और न ही पूरी खबर पढ़ी जा सकती थी। इसके साथ एक मजमून टाइप किया हुआ था जिसमें लिखा था कि आईआईटी के दिनों में केजरीवाल ने एक स्थानीय बच्ची के साथ बलात्कार किया था। दिल्ली के हर दूसरे मोबाइल पर यह खबर थी। किसी को यह देखने की फुर्सत नहीं थी कि इसमें कोई सच्चाई है भी या नहीं। यदि सच्चाई है तो अब तक यह खबर क्यों दबी रह गई। जब दिल्ली के एक मित्र ने यह क्लिप शेयर किया तब जाकर पता चला कि चुनाव में तैयारी कैसे की जाती है। अब कोई आदमी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरा हो, आलीशान बंगले में रहता हो, घोटाला करता हो तो जनता शायद उसे माफ भी कर देती पर एक बच्ची के बलात्कारी को वह कैसे माफ करती। नतीजा सामने है। कल तक गरीब और मिडिल क्लास का मसीहा कहलाने वाला केजरीवाल अपनी सीट भी नहीं बचा पाया। चुनाव के बीच आप के 8 विधायकों ने भाजपा प्रवेश कर लिया। इस सब के बाद भी आप का वोट शेयर सिर्फ 4 प्रतिशत कम होना अपने आप में काफी कुछ कह जाता है। आप से सबसे बड़ी गलती यह हो गई कि वह केवल अपने काम के भरोसे वोट मांग रही थी। काम वाम कोई याद नहीं रखता। चुनाव में मुद्दे काम आते हैं। इनमें से कुछ सामने से लगाए जाते हैं और कुछ को हवा दी जाती है। आप-दा वाले जैसा नारा भी चाहिए होता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाए। याद रहे कि 1998 में अकेले प्याज के भाव ने भाजपा की सरकार गिरा दी थी।

संपादकीय

कहने का मौका मिल गया विपक्ष को

अमरीका में अवैध रूप से रह रहे 104 भारतीयों को ट्रंप सरकार ने वापस भारत भेज दिया है। यह कोई गलत बात नहीं है, अमरीकी कानून के अनुसार ही उनको पकड़ा गया है और जिस देश के वह है, उस देश में वापस भेजा जा रहा है। कई देशों के लोगों को वापस भेजा जा चुका है।अमरीकी सरकार ने 104 भारतीयों को वापस भेजकर कुछ गलत नहीं किया है क्योंकि अमरीका से पहले से हर साल अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजा जाता रहा है। पिछले 16 साल में यानी 2009 से 2025 तक अमरीका ने 15668 भारतीयों को वापस भेज चुका है। यानी हर साल अमरीका भारतीयों को वापस भेजता रहा है, यह कोई नई बात नहीं है।

इसका विरोध भी भारत की सरकार नहीं कर सकती। अमरीका अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को भेजता है तो भारत को इसे स्वीकार करना पड़ता है। मानना पड़ता है कि हमारे देश के लोगों ने गलत किया है, इसलिए उनको भारत वापस भेजना कोई गलत बात नहीं है। इस बार हमारे देश में विपक्ष को सरकार के खिलाफबोलने का मौका मिल गया है क्योंकि अमरीका ने पहली बार अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को सेना के विमान में भारत भेजा है। इस दौरान भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ी लगाई गई थी। उनको यात्रा के दौरान तकलीफ हुई है। विपक्ष के नेताओं का कहना गलत नहीं है, भारतीयों ने अपराध किया है ठीक है, उनको भारत वापस भेजा जाना भी ठीक है लेकिन वापस भेजे जाते समय इस बात का ख्याल तो रखा ही जाना चाहिए कि उनको किसी तरह की तकलीफन हो।

> **बताया जा रहा है कि सेना के विमान में भेजे जाने व हथकड़ी व बेड़ी लगाए जाने के कारण भारतीयों को तकलीफ हुई है तो विपक्ष का कहना है कि पहले जिस तरह चार्टेड प्लेन से भारतीयों को भेजा जाता था, वैसे भेजा जाना चाहिए, या फिर भारत सरकार को अमरीका सरकार से बात करके उन्हें लाने के लिए भारत से हवाई जहाज भेजा जाना चाहिए। विपक्ष का यह सुझाव ठीक है, हो सकता है कि अगली बार अमरीका से जो भारतीय वापस भेजे जाएं तो उनको कोई तकलीफ न हो। पीएम मोदी विदेश में रहने वाले भारतीयों के प्रति बहुत संवेदनशील रह है, वह विदेशों में रहने वाले भारतीयों को जो भी सुविधा मिल सकती है, दिलाने का प्रयास करते हैं।**

पीएम मोदी के प्रयासों से ही विदेशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मान पिछले दस साल बहुत बढ़ा है, विदेशों में रहने वाले भारतीय इस बात को गर्व से बताते भी है कि पीएम मोदी के कारण विदेशो में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। विदेश में जब भारतीयों को युध्द या किसी कारण से संकट का सामना करना पड़ा है तो पीएम मोदी व विदेश मंत्री जयशंकर ने उनको वहां से सुरक्षित निकाल कर भारत लाने में सफल रहे हैं।यहां तक कि किसी को किसी देश में फांसी की सजा भी हो गई है तो वह फांसी की सजा से बचाकर देश ले आएं हैं।

विदेशों में भारतीयों का सम्मान इस बात के लिए किया जाता है, वह किसी भी देश में रहें शांति से रहते है, उस देश के कानूनों का सम्मान करते हैं। उस देश में रहने वाले लोगों में घुलमिल जाते हैं। लेकिन अवैध रूप से विदेश जाने वाले भारतीयों के कारण भारतीयों और भारत का अपमान होता है कि देखों भारत से इतने लोग यहां अवैध रूप से रह रहे हैं। देश के हर राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह अपने राज्य के लोगों को जो विदेश जाना चाहते हैं, वैध तरीके से भेजने की व्यवस्था करे। जिस किसी राज्य में भारतीयों को अवैध रूप से विदेश भेजे जाने कोई गिरोह काम कर रहा है तो उसे गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। राज्य सरकार की ढिलाई के कारण है, राज्यों से अवैध रुप से भारतीय विदेश भेजे जाते हैं और इसके लिए पचास लाख रुपए लगते हैं। विदेश जाने के लिए पागल लोग इतना पैसा देते भी हैं,यह जानते हुए कि विदेश में उनको पकडकर जेल भेजा जा सकता है, भारत वापस भेजा जा सकता है।

पकड़कर वापस भेज गए लोगों को भारत आकर ऐसा लगता भी नही है कि उन्होंने कुछ गलत किया है,वह बड़ी मासूमियत से कहते हैं कि विदेश कमाने गए थे, ऐसा भी नहीं है कि उनको पता नहीं है कि वैध तरीके से विदेश जाया जा सकता है। वैध तरीके से जाने पर जरूरी यह होता है कि उनको तय समय में वापस आना पड़ता है, जो लोग नहीं आते हैं,उनको तलाश कर पकड़ा जाता है और वापस भेज दिया जाता है। इसलिए कुछ भारतीय अवैध तरीके से इसलिए जाते हैं कि उनको बहकाया जाता है कि एक बार अमरीका पहुंच गए तो फिर अमरीका में लंबे समय तक रह सकते हैं। भारतीय ही नहीं कई देशों के लोग किसी भी तरह अमरीका पहुंचना चाहते हैं, मानव तस्करी वाले उनको वहां पैसे लेकर पहुंचा देते हैं। ऐसे लोगों को विदेश में तकलीफबहुत होती है, इसकी खबर छपने के बाद भारतीय लोग अवैध तरीके से विदेश जाना नहीं छोडते है। उनको अपमान जनक ढंग से भारत वापस भेजा जाता है तो यहां विपक्ष के नेता उनके अपमान पर राजनीति करते हैं। मोदी को कमजोर नेता बताने, भारतीयों के सम्मान का ख्याल नहीं रखने वाला नेता साबित करना चाहते हैं। विदेश में अवैध रूप से रहने वाले भारतीय किसी भी तरह के अपमान के लिए खुद दोषी हैं क्योंकि उनको मालूम है कि वह गलत तरीके आए हैं,उनको हिरासत में लेकर डिटेंशन सेंटर भेजा जाएगा,उसके बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा और कोर्ट के आदेश पर वापस भारत भेजा जाएगा तो तकलीफतो होगी।

ऐसा नहीं है कि उनको ससम्मान भारत जाने का मौका नहीं दिया जाता है,बताया जाता है कि भारतीयों के जबरन निकाले जाने से पहले भारतीयों सहित सभी अवैध रूप से रहने वाले प्रवासियों को अपने खर्च पर भारत जाने का मौका दिया जाता है, जिनको सम्मान से वापस आना हो वह अपने पैसों से वापस आ सकता है। जो नहीं आता है उसे अमरीका जिस तरह भेजता है, उसी तरीके वापस अपने देश आना पड़ता है। ऐसा भी नहीं है कि अवैध प्रवासी भारतीयों को मालूम नहीं था कि ट्रंप सत्ता में आने के बाद क्या करने वाले हैं, वह चाहते तो भारत भेजे जाने से पहले भारत लौट सकते थे, वह लौट आते तो उनको कोई तकलीफ नहीं होती। ट्रंप ने चुनाव में वादा किया था कि वह अमरीका में रहने वाले अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजेंगे और अमरीका में उनको घुसने नहीं देंगे। वह अपना चुनावी वादा पूरा कर रहे हैं।

अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके से वापसी पर जुड़े सवाल

ललित गर्ग

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत-सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता एवं विदेश नीति की नाकामी तो है ही, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ ऐसा व्यवहार अमेरिका के अहंकारी एवं संकीर्णतावादी सोच को भी दर्शा रहा है। अवैध प्रवासियों की उचित तरीकों से पहचान कर उन्हें उनके देशों को वापस भेजा जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भारत का इस मामले में शुरू से सहयोगात्मक रुख रहा है। लेकिन एक जायज सवाल वापसी के तौर-तरीके को लेकर उठना असंगत नहीं कहा जा सकता है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई अवैध प्रवासी भारतीयों की निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने के प्रयास को गलत नहीं कहा जा सकता। गलत तरीकों से अमेरिका में आये लोगों को उनके देश का रास्ता दिखाना भी गलत नहीं कहा जासकता, लेकिन जिस तौर-तरीके से यह कार्रवाई की गयी है, उस पर प्रश्न टंकने स्वाभाविक है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध प्रवासी भारतीय वापस भेजे गए हों। लेकिन इस बार कई ऐसी बातें हैं, जो इसे अतीत की ऐसी घटनाओं से अलग एवं चर्चा का विषय बनाती हैं। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास करते हुए ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही हटी, अहंकारी एवं तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने से दोनों देशों के संबंधों के आहत होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि कुछ हजार कर्मियों की भर्ती के लिये लाखों से भी अधिक युवा-प्रार्थी आवेदन करते हैं। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों, परेशानियों, अपमान एवं कानूनी भय की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। इस तरह होने वाली कमाई से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीयों का विदेशों में बढ़ता पलायन और विशेषत: डंकी रूट से विदेश जाने की होड भारत के विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह सरकार की विफलता ही है कि वह अपने युवाओं को उचित नौकरी नहीं दे पा रही है। इसी कारण अमेरिका जैसे देशों में भारतीय युवा अपने सपनों को पूरा होते हुए देखते है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। भारत इस तथ्य को समझता है कि मूल मसला इन अवैध प्रवासियों का वापस आना नहीं बल्कि उनका यह मान लेना है कि इस देश में उनका कोई भविष्य नहीं है। तभी तो वे अपनी जमा-पूंजी गंवाकर और जान का जोखिम मोल लेकर भी अमेरिका-कनाडा जैसे देशों का रुख करते हैं। ध्यान रहे, वैध तरीकों से अमेरिका पहुंचे और वहां रह रहे भारतीयों ने मेहनत और प्रतिभा-कौशल के बल पर अपनी अच्छी जगह बनाई है। न केवल अपनी जगह बनाई बल्कि अमेरिका के विकास में योगभूत बने हैं। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। यही कारण है कि दो साल पहले वहां एक भारतीय परिवार की औसत आमदनी की तुलना में एक लैटिन अमेरिकी परिवार की औसत आमदनी काफी कम रही है। यही कारण है कि इस बार के अमेरिकी चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा भी बना था और राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डॉनल्ड ट्रंप इस मसले को रेखांकित भी किया, इस वजह से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय की छवि भी प्रभावित हुई है।

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है। इतना ही नहीं, कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है।

अमेरिका से लौटे भारतीयों के दर्द को कम करना होगा एवं समझना होगा। इसके लिये भारत सरकार को व्यापक प्रयास करने होंगे। एक तो अवैध तरीकों से लोगों को विदेश पहुंचाने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त मुहिम चलानी होगी ताकि इस प्रक्रिया पर रोक लगे। दूसरी बात यह कि इसके साथ-साथ भारत में नौकरियों के नए अवसर बनाने पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे में एक अहम सवाल यह भी है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? अन्यथा भारत का युवा हर मोर्चे पर ऐसे अपमान, दर्द, परेशानी के दंश को झेलता रहेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

गीतों की शब्द शक्ति से राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान जागरण की यात्रा

रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में करोड़ों प्राणों के बलिदान हुये। ये बलिदान साधारण नहीं थे। पर इन बलिदानों के लिये आव्हान करने वाले शब्द साधकों की भी एक धारा रही है जिन्होंने अपने शब्दों की शैली और गीतों के माध्यम से राष्ट्र जागरण का अभियान छेड़ा। यह अभियान स्वतंत्रता के पहले भी चला और स्वतंत्रता के बाद भी। अपनी रचनाओं से राष्ट्र जागरण करने वालेः ऐसे ही कालजयी रचनाकार हैं कवि प्रदीप। जिन्होंने जीवन भर अपने ओजस्वी गीतों से पूरे राष्ट्र चेतना की अलख जगाई।

कवि प्रदीप का जन्म मध्यप्रदेश के बड़नगर

स्वतन्त्रता के पूर्व यदि उनके गीतों में संघर्ष केलिये आव्हान था तो स्वाधीनता के बाद राष्ट्र निर्माण की उत्प्रेरणा। स्वाधीनता के पूर्व -दूर हटो ये दुनियाँ वालो ये हिन्दुस्तान हमारा है। और स्वतंत्रता के बाद- ऐ मेरे वतन के लोगो जरा आँख में भर लो पानी जैसे अमर गीत के रचयिता कवि प्रदीप ही हैं। वे दुनियाँ के उन विरले गीतकारों में से हैं जिनका हर गीत लोकप्रिय हुआ। उन्होंने दो हजार से अधिक गीत लिखे इसमें लगभग 1700 गीत फिल्मों में आये। और राष्ट्र भक्ति के ही सौ से अधिक गीत हर देशवासी की जुबान पर चढ़ गये।

ऐसे अमर गीतों के गीतकार कवि प्रदीप का जन्म 6 फरवरी 1915 को मध्यप्रदेश में उज्जैन जिले के अंतर्गत बड़नगर में हुआ। उनके पिता रामचंद्र द्विवेदी आर्य समाज से जुड़े थे। घर में राष्ट्रसेवा सांस्कृतिक गरिमा का वातावरण था। इसलिये प्रदीपजी मन और विचार बचपन से राष्ट्र और संस्कृति चेतना से भरे थे। उनकी प्रारंम्भिक शिक्षा बड़नगर में ही और उच्चशिक्षा लखनऊ में हुई।

कविताएं लिखने का शौक उन्हे बचपन से था। वे एक दृश्य देखकर अथवा कोई प्रसंग सुनकर बहुत प्रभावी गीत या कविता रच देते थे। उनकी इसी विधा ने पढ़ाई के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में लोकप्रिय हो गये। पढ़ाई के दौरान ही उनकी भेंट उस समय के एक प्रखर और प्रभाव शाली कवि गिरिजा शंकर दीक्षित से हुई। दीक्षित जी अपने समय में कवि सम्मेलनों के लोकप्रिय कवि और उनके शिक्षक भी थे। उनके मार्गदर्शन गीत जीवन की यात्रा आरंभ हुई।

प्रदीपजी ने 1939 में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की और शिक्षक बनने की तैयारी भी। पर गीत रचना निरन्तर रही। उनके शिक्षक दीक्षित जी के पिता बलभद्र प्रसाद जी भी अपने समय के लोकप्रिय गीतकार थे। और उनके कुछ गीत फिल्मों में आये। वे प्रदीप जी के गीतों से बहुत प्रभावित थे। उन्ही दिनों प्रदीपजी ने चल चल रे नौजवान एक गीत लिखा। दीक्षित जी ने यह गीत मुम्बई भेज दिया। यह गीत एक फिल्म नौजवान में आ गया। फिल्म लोकप्रिय हुई और गीत भी। यह फिल्म 1940 में रिलीज हुई थी। इस गीत के साथ प्रदीप जी रातोंरात पूरे देश में लोकप्रिय हो गये। 1942 में उनका दूसरा गीत मानों भारत छोड़ो आंदोलन का एक मंत्र बन गया। यह गीत था आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है। यह गीत समाज को आव्हान करने वाला था आँदोलन के दौरान उस समय हर गली चौराहे पर गाया गया। 1944 में उनके एक और गीत दूर हटो ऐ दुनिया वालो, यह हिन्दुस्तान हमारा है ने फिर पूरे देश में तहलका मचा दिया। अंग्रेजी सरकार ने उनके गीतों को भड़काने वाला माना और गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया। कवि प्रदीप गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गये। बाद में फिल्म निर्माताओं ने मध्यस्थता की और प्रशासन को फिल्म स्क्रिप्ट केलिये इन गीतों की आवश्यकता बताई तब जाकर वारंट निरस्त हुआ।

प्रदीप जी ने स्वतंत्रता के बाद जागृति जैसी फिल्मों के लिये नये अंदाज से गीत लिखे। हम लाए हैं तूफान से किश्त निकल के आज भी लोकप्रिय है। उन्होंने 1954 में बच्चों को समझाया कि आओ बच्चों तुम्हें दिखाये झाँकी हिन्दुस्तान की। इस गीत में भारत के गौरवमयी अतीत की मानों एक झाँकी थी। स्वतंत्रता की इस यात्रा के बीच ही 1962 में भारत चीन युद्ध आ गया। उस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कितनी विषम परिस्थिति में भारत राष्ट्र की रक्षा की। वे कहानियाँ दिल को दहलाने वाली है। सैनिकों के बलिदान पर उनका गीत ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आँख में भर लो पानी की रचना की। जिस भाव से प्रदीप ने इस गीत की रचना की उसी भावना से लता जी ने गाया। इस गीत के बोल आज भी ह्रदय को छू जाते हैं। यह गीत देश भक्ति के गीतों में अग्रणी माना गया। भारत सरकार ने उन्हे राष्ट्र कवि के सम्मान से सम्मानित किया।

26 जनवरी 1963 को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में लता जी ने प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में यह गीत गाया। नई दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय गणतंत्र समारोह में ऐसा कोई नहीं था जिसकी आँख में आँसू न आये हों। प्रदीप ने इस गीत की रॉयल्टी को सैनिकों की विधवा सहायता कोष यनि वॉर विडो फंड में जमा करने की घोषणा की। पर गीत के अधिकार रखने वाली कंपनी एच एम वी ने समय पर पैसा जमा नहीं किया। और मामला कोर्ट में गया। एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 25 अगस्त 2005 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने एचएमवी कंपनी को रॉयल्टी के बकाया के रूप में 1 मिलियन रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। देश भक्ति मानों प्रदीप जी के रक्त में थी। 1987 में प्रदीप जी ने कहा था- कोई भी आपको देशभक्त नहीं बना सकता। यह आपके खून में होती है। आप इसे देश की सेवा के लिए कैसे लाते हैं जो आपको अलग बनाता है। सतत शब्द साधना और अपने गीतों से राष्ट्र साधना में रत प्रदीप जी ने अंततः 11 दिसम्बर 1998 को 83 वर्ष की आयु में इस संसार से विदा ली।

शत शत नमन।

(ये लेखक के विचार हैं)

आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन टिप्पणी

ललित गर्ग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिए स्वाभाविक है कि बयान विडंबनापूर्ण होने के साथ ही पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से भी ग्रस्त है।

भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन सोनिया ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, यह अच्छा नहीं हुआ। सोनिया ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था। यह राजनीतिक अशिष्टता, अहंकार व अपरिपक्वता का द्योतक है। लगता है कि कांग्रेस के नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना की बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हिन्दी, जो उनकी मातृभाषा नहीं है, में प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस उनके अपमान पर उतर आई। राष्ट्रपति भवन ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति संबोधन के दौरान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विशेष रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा से भरी थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वगरे की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्त्तव्य का अहम हिस्सा है। राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की हिन्दी भाषा की समझ पर भी सवाल उठाए। संभवत: ये हिन्दी भाषा की लोकोक्तियों और मुहावरों से भली-भांति परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्होंने राष्ट्रपति के भाषण की गलत व्याख्या की। राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को खराब और दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

स्वाभाविक रूप से कांग्रेस नेताओं और खुद प्रियंका गांधी ने सोनिया गांधी का बचाव किया, लेकिन यह समझा जा सके तो बेहतर होता कि उन्हें अपने शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए थी। ऐसे बयान ने गैरजिम्मेदाराना एवं विध्वंसात्मक इरादों को ही नहीं, छल-कपट की राजनीति को भी बेनकाब किया है। राष्ट्रपति जिस सामाजिक परिवेश और पृष्ठभूमि से आती हैं, उसे देखते हुए तो और भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। समस्या यह है कि सोनिया हों या राहुल, कोई आलोचना करते समय शब्दों के सही चयन में प्राय: चूक कर जाते हैं। जब ऐसा होता है तो यही ध्वनित होता है कि गांधी परिवार के सदस्य अहंकार में डूब कर अपनी राजशाही मानसिकता का परित्याग नहीं कर पा रहे हैं। राजनीति में समालोचना नितांत अपेक्षित है, समालोचक होना और समालोचना करना बड़ी बात है, पर जब नेता सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्तित्व की गरिमा को ही खंडित करता है, अपना विवेक गिरवी रख कर समालोचना करता है, तो उसे समालोचना नहीं, स्तरहीन विरोध ही कहा जाएगा। ऐसे विरोध के प्रति दया का भाव ही जताया जा सकता है, उसका उत्तर नहीं दिया जा सकता। आखिर, निषेधात्मक भावों का उत्तर कब तक दिया जाए लोकतंत्र समालोचना का विरोधी नहीं है, बल्कि स्वस्थ एवं शालीन समालोचना का स्वस्थ लोकतंत्र में स्वागत ही होता है, इससे राजनीति परिपक्व एवं मजबूत होती है, किंतु नमक की रोटी का क्या स्वागत किया जाए कुछ आटा हो तो नमक की रोटी भी काम की हो सकती है पर जिसमें कोरा नमक ही नमक हो, वह स्पृहणीय कैसे बन सकती है। प्रश्न है कि इस तरह की दूषित राजनीति एवं पूर्वाग्रहों के घनघोर परिवेश से लोकतंत्र एवं राष्ट्रपति जैसा सर्वोच्च पद कब तक आहत होता रहेगा

(ये लेखक के विचार हैं)

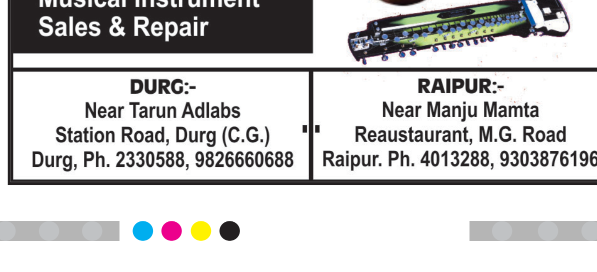

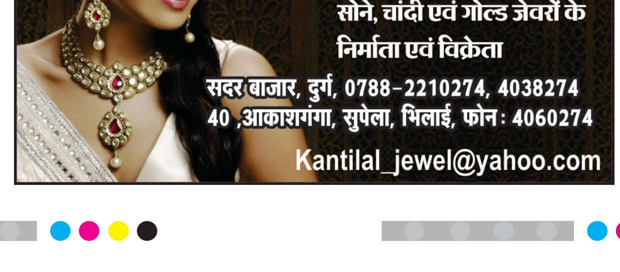

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

त्यागमूर्ति माता रमाई के संघर्ष और समर्पण का स्मरण किया लोगों ने

भिलाई। भिमाई महिला मंडल कोसा नगर के तत्वावधान में माता रमाबाई अंबेडकर की प्रतिमा के पास माता रमाई की जयंती 7 फरवरी की शाम को मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को अतिथियों आयुष्मति प्रेरणा धाबर्डे और आयुष्मति कुंदा धवले ने माता रमाई के त्याग ,बलिदान, संघर्ष, साहस ,सहयोग और समर्पण से अवगत कराया। इसके पहले सर्वप्रथम तथागत भगवान गौतम बुद्ध, बाबा साहेब अंबेडकर, माता रमाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मोमबत्ती और अगरबत्ती प्रज्वलित की गई साथ ही सावित्रीबाई फुले ज्योतिबा फुले और सम्राट अशोक के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सामूहिक त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। इस अवसर पर बौद्ध कल्याण समिति के संस्थापक तथा पूर्व अध्यक्ष नेकराम रामटेके, आयुष्मान राजेश वंजारी, आयुष्मान अशोक धवले और डॉक्टर उदय धाबर्डे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। अनेक उपासक और उपासिकाओं ने माता रमाबाई अंबेडकर के त्याग को दर्शाने वाले गीतों से समा बांध दिया। केक काटा गया और स्वल्पाहार पश्चात कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने बुद्ध भूमि परिसर कोसा नगर में लगातार कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को संगठित करने के प्रयास की सराहना की। आयुष्मति कुंदा अशोक धवले तथा आयुष्मति प्रेरणा उदय धाबर्डे ने बौद्ध कल्याण समिति को 25-25 कुर्सियां दान में देने की घोषणा की। जिसका उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन भिमाई महिला मंडल की अध्यक्ष आयुष्मति दानशीला रामटेके ने किया और आभार प्रदर्शन बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने किया।

बांग्ला कवि पल्लव चटर्जी की कृति 'अक्षर आलापन' का विमोचन हुआ कोलकाता में

भिलाई। अंचल के चर्चित बांग्ला कवि पल्लव चटर्जी रचित कृति 'अक्षर आलापन' का विमोचन साहित्यकार सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. नजरुल इस्लाम और कवि प्रदीप बसु के कर कमलों किया गया। इस विमोचन समारोह का आयोजन कोलकाता के पुस्तक मेले के निखिल भारतीय बंग सम्मेलन के स्टॉल नं. 417 में हुआ। कवि पल्लव चटर्जी रचित कृति का मुख्य अतिथि डॉ. नजरुल इस्लाम और अध्यक्षता कर रहे प्रदीप बसु ने कृतिकार द्वारा रचित रचनाओं को सराहा। बांग्ला कृति देश को समर्पित करते हुए मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है. मुझे विश्वास है कि सुधि साहित्य जन मेरे इस कृति को पढ़कर, प्रतिक्रिया से अवगत काराएंगे। विमोचन के अवसर पर 'मध्यबलय' के संपादक व बांग्ला के लब्धप्रतिष्ठित कवि दुलाल समाद्दार, कवि प्रकाशचंद्र मण्डल, विभाष दास, प्रणवेश दास और प्रकाशक विमल मैती विशेष रूप से उपस्थित हुए।

महिला सशक्तिकरण की नई दिशाः भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा निःशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) विभाग ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक और अनूठी पहल की है। भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग हमेशा से ही सामाजिक उत्थान और महिला सशक्तिकरण के लिए काम करता रहा है। इस पहल के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र ने ड्राइविंग और ट्रैफिक रिसर्च संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, नवा रायपुर के साथ मिलकर महिलाओं को नि:शुल्क लाइट मोटर वाहन ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

आईडीटीआर के सहयोग से महिलाओं को ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उन्हें वाहन चलाने का आत्मविश्वास मिल रहा है। प्रशिक्षण में महिलाओं को सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक नियम, वाहन चलाने की तकनीक और वाहन का रखरखाव सिखाया गया।

इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च परिवहन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में पेसेंजर और कमर्शियल वाहन चालकों को सुरक्षित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का अवसर प्रदान करती है,बल्कि उन्हें सुरक्षित और सक्षम ड्राइवर बनाकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में भी सहायक है। अब महिलाओं के लिए ड्राइविंग जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भी सफलता की राह खुली है, और इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि जब महिलाएं ठान लें तो कोई भी कार्य उनके लिए कठिन नहीं होता।

भिलाई इस्पात संयंत्र की यह पहल महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई है। इस प्रशिक्षण ने महिलाओं के जीवन में एक नई ऊर्जा भर दी। अब वे न केवल स्वतंत्र रूप से वाहन चला सकती हैं, बल्कि उन्होंने समाज में अपनी एक नई पहचान बनाई और उनका सामाजिक प्रभाव भी बढ़ा है। ड्राइविंग सीखने के बाद कई महिलाओं ने अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में वाहन का इस्तेमाल करना शुरू किया, जिससे उनकी यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाया जा सका। इसके अलावा, कई महिलाओं ने इस प्रशिक्षण को रोजगार के एक नए अवसर के रूप में देखा और उन्हें टैक्सी सेवा, ड्राइवर की नौकरी या अन्य क्षेत्रों में भी अवसर मिलना शुरू हो गया। इससे उनके आर्थिक विकास में भी मदद मिली। यह कार्यक्रम सिर्फ ड्राइविंग प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता भी मिली। वे अब अपने परिवहन, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का समाधान सुलझाने में भी सक्षम हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र का यह प्रयास महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रहा है। इस पहल ने न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में मदद की, अपितु समाज में उनकी भूमिका को भी सशक्त किया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग की यह पहल एक मिसाल बन गई है, जो अन्य संगठनों के लिए भी एक प्रेरणा स्त्रोत है। ष्ड्राइविंग और ट्रैफिक रिसर्च संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, नवा रायपुरष् के सहयोग से महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण देने का यह कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया

इस प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का शुभारंभ 20 मई 2024 को हुआ था। इस प्रशिक्षण के तहत अब तक बीएसपी के सीएसआर विभाग ने 3 बैच भिलाई में तथा एक बैच रायपुर में आयोजित किया है। ड्राइविंग प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रत्येक बैच में 16 महिलाओं को चयनित किया जाता है। सीएसआर विभाग के सेक्टर 5 कार्यालय में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने इस प्रशिक्षण के पहले बैच का उद्घाटन किया था। पवन कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच के लिए ड्राइविंग सिम्युलेटर शुरू किया और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिला प्रशिक्षुओं ने अपनी आकांक्षाओं को साझा किया, जिसमें उन्हें अपनी ज़िंदगी को सुधारने और अपने परिवारों को आर्थिक मदद देने की इच्छाएं थीं। डीआईजी (सीआईएसएफ) सुश्री प्रतिभा अग्रवाल ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया। सुश्री अग्रवाल ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, हम महिलाओं पर कई जिम्मेदारियां होती हैं, विशेषकर बच्चों की शिक्षा और संस्कार की। यह ड्राइविंग प्रशिक्षण आपकी स्वतंत्रता को बढ़ाएगा और समाज में महिलाओं की स्थिति को मजबूत करेगा। आयुक्त (नगर निगम रिसाली) श्रीमती मोनिका वर्मा ने प्रशिक्षु महिलाओं से अपील की कि वे पूरी एकाग्रता से ड्राइविंग सीखें ताकि वे अपने जीवन को बेहतर बना सकें और समाज में एक नई दिशा की शुरुआत कर सकें।

यातायात नियमों की भी दे रहे जानकारी

प्रशिक्षण में महिलाओं को न केवल गाड़ी चलाने की तकनीकी जानकारी दी जा रही है, बल्कि उन्हें यातायात नियमों की भी गहरी समझ दी गई, ताकि वे सड़क पर सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइवर बन सकें। प्रशिक्षकों ने उन्हें विभिन्न प्रकार की गाड़ियों को चलाने के कौशल से परिचित कराया और सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के उपाय भी बताए। इस पहल के अंतर्गत, एलएमवी लाइसेंस से सम्बन्धित औपचारिकताएं और व्यावहारिक-तकनीकी प्रशिक्षण भी दी जा रही है। इस पहल के तहत, क्लासरूम प्रशिक्षण और सिम्युलेटर प्रशिक्षण सीएसआर कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-5, भिलाई में प्रदान किया जा रहा है। जबकि व्यावहारिक प्रशिक्षण भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित स्थान पर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, सभी महिला लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जा रहा है। आईडीटीआर लाभार्थियों के लाइसेंस के लिए भी आवेदन करेगा, आगे की प्रक्रिया के लिए लाभार्थी महिलाओं को संबंधित आरटीओ के समक्ष ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह पूरी तरह से नि:शुल्क है, जिससे उन महिलाओं को भी इस अवसर का लाभ मिला जो आर्थिक रूप से ड्राइविंग स्कूल की फीस वहन करने में सक्षम नहीं थीं।

वार्डो में ईवीएम मशीन का प्रदर्शन का अंतिम दिन

मतदाताओं में भारी जोश, कहा ईवीएम मशीन से मतदान करना आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज शिविर के अंतिम दिन 12 वार्डों के मतदाताओं को ईवीएम मशीन प्रदर्शन शिविर में मास्टर ट्रेनर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा ईवीएम मशीन की जानकारी देकर जागरूक किया गया ।इस अवसर पर मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला,मतदाताओं ने कहा ईवीएम मशीन से वोट करना आसान है,हम सभी मतदान करने जायेगे।

ईवीएम से पहली बार नगरीय निकाय के चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए जिला कलेक्टर/निगम प्रशासक ऋ चा प्रकाश चौधरी के निर्देश व निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में नगर निगम की टीम वाडों में शिविर लगाकर ईवीएम से मतदान करने का तरीका बता रही है ।मतदाताओं को बताया जा रहा है कि यदि वे महापौर और पार्षद दोनों में से किसी एक पद को ही वोट करना चाहते हैं तो मशीन के निचले हिस्से में दिए इंड बटन दबाना होगा ।तभी मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी।

शिविर में मतदाताओं को बताया जा रहा है कि वोटिंग मशीन के उपरी हिस्से में महापौर प्रत्याशियों को वोट देने की व्यवस्था की गई है। मशीन के निचले हिस्से में पार्षद प्रत्याशियों के नाम रहेंगे। इस स्थिति में वोटिंग करते समय किसी तरह की दिक्कत न हो इसलिए बेहतर होगा कि पहले महापौर पद के प्रत्याशी को वोट दें, उसके बाद पार्षद पद के प्रत्याशी के लिए बटन दबाएं। यानि मतदाता को दो पदों के लिए वोट देना है। शिविर के अंतिम दिन में आज इन 12 वार्डों के मतदाताओं को शिविर में जागरूक किया ।ईवीएम का डेमो का प्रदर्शन कर मतदाताओं को जानकारी दी गई। जिन वाडों वार्ड 14 सिकोला भाठा, वार्ड 59 कातुलबोर्ड, वार्ड 25 गायत्री मंदिर वार्ड, वार्ड 10 शंकर नगर, वार्ड 5 मगर पारा, वार्ड 34 शिवपारा, वार्ड 8 तकिया पारा, वार्ड 38 मिलपारा, वार्ड 43 कसारिडीह, वार्ड 53 पोटिया कला एवं वार्ड 30 तमेर पारा में किया गया।

दिल्ली जीत का जश्न मनाकर दुर्ग की सभी 6 नगरीय निकाय जीतने का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर दुर्ग जिले के भाजपा पदाधिकारी नेताओं ने जिला भाजपा कार्यालय में एकत्र होकर जमकर जश्न मनाया। ढोल नगाड़ों की थाप और गगनचुंबी नारों के साथ मिठाइयां बांटते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर खुशियां मनाई।

दुर्ग नगर निगम चुनाव के सहसंचालक विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत से स्पष्ट है कि भाजपा और मोदी के नेतृत्व पर जनता का विश्वास बढ़ता जा रहा है। छत्तीसगढ़ की तरह दिल्ली की जनता ने भी विकास और सुशासन पर मुहर लगाई है। दुर्ग नगर निगम में विकास और सुशासन की स्थापना के लिए जनता भाजपा को प्रचंड मतों से चुनाव जिताएगी।

दुर्ग नगर निगम चुनाव के सहसंचालक राजीव अग्रवाल ने कहा कि केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी के तमाम दिग्गज दिल्ली विधानसभा चुनाव में धराशायी हो गए, ये इस बात का संकेत है कि देश में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जबरदस्त लहर है और छत्तीसगढ़ में भी दुर्ग नगर निगम सहित सभी नगरीय निकाय में पार्टी की जबरदस्त जीत होगी।

इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि दिल्ली में घमंड और अराजकता की हार हुई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के दृष्टिकोण पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत हुई है। दिल्ली चुनाव के बाद अब दुर्ग जिले की सभी 6 नगरीय निकाय दुर्ग, कुम्हारी, अमलेश्वर, पाटन, उतई, धमधा में भी भाजपा परचम लहराएगी। दिल्ली की जीत का असर नगरीय निकाय चुनाव में भी दिखेगा।

जिला चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्ये ने कहा कि दिल्ली में भी मोदी की गारंटी को जनता ने हाथों-हाथ लिया और दिल्ली की कमान भाजपा को सौंपी। जिस प्रकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन से छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी तेज गति से पूरी हुई है, उससे पूरे देश में जनता का विश्वास बीजेपी के प्रति बढ़ा है, जो कि दिल्ली में भाजपा की जीत के रूप में दिखाई दे रहा है।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए शक्ति जोन के बीएसपी कार्मिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में शक्ति सुविधाएँ (पावर फेसिलिटी) जोन के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले कार्मिकों को 06 फरवरी 2025 को कर्म शिरोमणि एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक प्रभारी अभय कुमार द्वारा की गई।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ऐसे कार्मिक, जो अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों से ही सुरक्षा के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन करते हुए कंपनी के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु अपने कार्य में नवीनता का प्रदर्शन करते हैं, उन्हें प्रबंधन द्वारा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

इसी संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में अतिउत्तम कार्य प्रदर्शन के लिए पाली शिरोमणि पुरस्कार से अप्रैल से जून 2024 तिमाही के लिए सहायक महाप्रबंधक गुणवंत प्रेमलाल गजभिये, जुलाई से सितम्बर 2024 के लिए उप प्रबंधक महेंद्र कुमार को सम्मानित किया गया। कर्म शिरोमणि पुरस्कार से माह जुलाई 2024 के लिए जूनियर ई.ए. पंकज राठौर, माह अगस्त 2024 के लिए चार्जमेन कम मास्टर ऑपरेटर राकेश कुमार साहू, माह सितम्बर 2024 के लिए इंजीनियरिंग एसोसिएट (पी एंड बीएस) लीलाधर वाहने, माह अक्टूबर 2024 के लिए चार्जमेन कम सीनियर ऑपरेटर अरविंद सिंह, माह नवम्बर 2024 के लिए चार्जमेन कम सीनियर ऑपरेटर कैलाश कुमार वामनकर तथा माह दिसम्बर 2024 के लिए जूनियर ई.ए. एस. हरी शंकर राव को सम्मानित किया गया।

शक्ति जोन के महाप्रबंधक पी. एस. खोब्रागडे, महाप्रबंधक पी. कृष्ण मोहन, महाप्रबंधक राहुल निगम, महाप्रबंधक शेख जाकिर, महाप्रबंधक वी. एस. देवांगन, महाप्रबंधक संजय अग्रवाल, महाप्रबंधक सन्देश आर. शेंडे एवं सहायक महाप्रबंधक सुशांत कुमार सामल ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और कार्मिकों के जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किए। साथ ही महाप्रबंधकों ने कार्यक्रम में पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन कार्यालय के अनुभाग अधिकारी डामेश्वरी बेलसर और धन्यवाद ज्ञापन मानव संसाधन अधिकारी सहायक प्रबंधक मिहिर मनोहर द्वारा किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

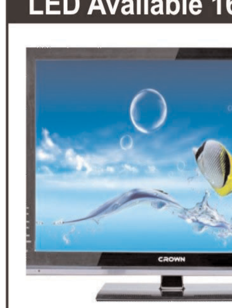

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दो दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम रबी 2024-25 का हुआ आयोजन

रायपुर। दो दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम रबी 2024-25 का आयोजन संयुक्त रूप से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, रायपुर और कृषि एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिक विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 06 एवं 07 फरवरी 2025 को समिति आईजीकेवि रायपुर मे किया गया। इस कार्यक्रम मे कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लीया जो मुख्यत: पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटरों, कीटनाशक व्यापारी, किसान मित्र एवं प्रगतिशील किसान थे। कार्यक्रम का उद्घाटन गया राम, संयुक्त संचालक कृषि, रायपुर संभाग और नीरज कुमार सिंह, उप निदेशक (कीवि) के द्वारा किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थी को कीटनाशक अधिनियम और नियम के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।

इस कार्यक्रम मे डॉ. रीता सिंगारे, व.स.अ. (कीवि), कन्हैया लाल मीना, वैज्ञानिक सहायक, डॉ. प्रेम संकर तिवारी, एसएमएस.(पीपी) के.वि.के रायपुर एवं श्रीमती ममता पाटिल, सहायक संचालक कृषि, रायपुर एवं श्रीमती मोनिका ठाकुर, सहायक संचालक कृषि, रायपुर एवं भूमिका यादव, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी लोगों ने भाग लीया।

वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन व थर्ड जेंडर समुदाय ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जाबो जगाव बोटर मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के लिए माना कैंप स्थित शासकीय वृद्धाश्रम से रैली की शुरुआत की गई। संचालक समाज कल्याण श्रीमती रोक्तिमा यादव तथा जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दृष्टि एवं श्रवण बाधित विशेष विद्यालय, फिजिकल रेफरल सेंटर, राज्य संसाधन एवं पुनर्वास केंद्र, शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय, मानसिक रूप से अविकसित गृह, बहु दिव्यांग गृह, अस्थि बाधित विशेष विद्यालय के बच्चों के साथ वरिष्ठ नागरिक तथा तृतीय लिंग समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

कार्यक्रम में लगभग 600 दिव्यांग, वृद्धजन एवं थर्ड जेंडर समुदाय के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान आगामी निर्वाचन में मतदान करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली गई। इस कार्यक्रम में उप संचालक समाज कल्याण भूपेन्द्र पाण्डेय, शरद तिवारी, विमलेश उइके, सहायक संचालक सुश्री ऋचा शर्मा एवं समस्त संस्थागत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑटो एक्सपो के सात दिन और, मौके का फायदा कहीं छूट न जाए

मारुति सुजुकी की ई विटारा की हुई शानदार लांचिंग, मतदाता जागरूकता व रोड सेफ्टी को लेकर हुआ नुक्कड़ नाटक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धीरे-धीरे ऑटो एक्सपो अब अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है लेकिन एक्सपो की रौनकता देखकर लगता है कि बस आज ही शुरु हुआ है। अब आठ दिन ही शेष रह गए हैं। हर स्टॉल पर कस्टमर की भीड़ देखी जा सकती है जो देर रात तक अपनी पंसद की वाहन को लेकर संभावना तलाशते देखे जा सकते हैं। शुक्रवार को नामचीन कंपनी मारुति सुजुकी की ई विटारा की शानदार लॉंचिंग हुई। इस मौके पर कंपनी के रीजनल मैनेजर कार्तिक राजा विशेष तौर पर उपस्थित रहे। राडा के आमंत्रण पर विधायक अनुज शर्मा, दैनिक भास्कर के एडिटर शिव दुबे, छग चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अमर परवानी, रेडीमेड एसोसिएशन पंडरी के अध्यक्ष विनोद तलरेजा विशेष तौर पर उपस्थित रहे। मतदाता जागरूकता व रोड सेफ्टी को लेकर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी किया गया जिसमें विशेष रूप से एआईजी यातायात संजय शर्मा शामिल रहे।

राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी ने बताया कि ऑटो एक्सपो में टीम स्टे फीट विथ मी के द्वारा शानदार डांस परफार्म किया गया। इसके साथ ही रोड सेफ्टी व मतदाता जागरूकता को लेकर नुक्कड़ नाटक भी इनके द्वारा किया गया। इसके लिए लोगों ने सफेद टी शर्ट, ब्लैक लोअर, सफेद कैप व रिस्ट बैंड के साथ रिस्ट बैंड का ड्रेस कोड पहन रखा था। इसमें एआईजी यातायात संजय शर्मा शामिल रहे। बता दें टीम स्टे फिट विथ मी 2015 से फिटनेस रोड सेफ्टी, मतदान जागरूकता हेल्थ अवेयरनेस के लिए गुरु बहन शुंभागी जी की अगुवाई में काम कर रही है। विभिन्न मैराथन वाकथान सहित अन्य फिटनेस कार्यक्रम में वार्म आफसेशन नि:शुल्क करते हैं।

नए वाहनों की लांचिंग की कड़ी में अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी के पहली ग्लोबल इलेक्ट्रिक कार विटारा ईवी की लांचिंग की गई। टीम नेक्सा अपने इस लोकप्रिय व्हीकल्स की लांचिंग को लेकर काफी उत्साहित थे। जैसा कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया इसका इंतजार काफी समय से था। कंपनी का दावा है कि बेहतरीन फीचर्स व कलर के साथ सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा ड्रायविंग रेंज देगी। एलईडी हेड लाइट्स, डेटाइम टर्निंग लैम्प और टेल लाइट,वायरलेस चार्जर, इन कार कनेक्टिविटी टेक्नोलाजी, पैनारोमिक सनरुप और क्लाइमेट कंट्रोल से लेकर और भी ढेरों खूबियां इसे बेहतरीन कार बनाती हैं।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक सुपर ऑटो स्पेशल आफर के साथ ऑटो एक्सपो में कस्टमर की पसंद बनी हुई है। कंपनी प्रतिनिधियों का कहना है कि मोंट्रा इलेक्ट्रिक सुपर ऑटो में मजबूत मैटल बाडी, सुपर फीचर्स के साथ अवार्ड सम्मानित डिजाइन, कार जैसा ड्राइवर सीट,सुपर रेंज 203 किमी प्रति चार्ज, एलईडी टेल लाइट जैसी खूबियों के साथ रायपुर के ऑटो एक्सपो के प्रदर्शित मॉडल के साथ बताया जा रहा है कि 20 लाख तक का दुर्घटना बीमा कव्हर करते हैं और मात्र 35 हजार रुपए के डाउन पेमेंट पर आप इसकी खरीदी कर सकते हैं। यदि फाइनेंस चाहते हैं चोला मंडलप से आसान शर्तों पर फाइनेंस भी हो जायेगा।

अपने डिजाइन, विशालता और 203 किमी की प्रभावशाली एआरएआई-प्रमाणित रेंज के माध्यम से सड़क पर अपनी अलग उपस्थिति पर भरोसा करता है। वाहन ने बेहतर ईंधन दक्षता के लिए उद्योग में पहली बार मल्टी-ड्राइव मोड और शहर के यातायात में सहज संचालन के लिए पार्क असिस्ट मोड भी पेश किया है। हम अपने ग्राहकों को टिकाऊ और कुशल परिवहन समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वन प्रबंधन की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं का अध्ययन करने पहुंचा आईएफएस अधिकारियों का दल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय वन सेवा के 32 अधिकारियों का एक दल मध्य कैरियर प्रशिक्षण फेज-3 के तहत छत्तीसगढ़ के वन प्रबंधन मॉडल का अध्ययन करने के लिए रायपुर पहुंचा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून द्वारा आयोजित इस अध्ययन यात्रा का उद्देश्य लघु वनोपज प्रबंधन, सामुदायिक वन प्रबंधन और मृदा-नमी संरक्षण की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं को समझना समझना है।

रायपुर में अधिकारियों ने अरण्य भवन, नवा रायपुर में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी श्रीनिवास राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर श्री राव ने सतत वन प्रबंधन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और रणनीतियों को साझा किया। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ वन विभाग की विभिन्न पहलों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज महासंघ के प्रबंध संचालक श्री अनिल कुमार साहू ने लघु वनोपज के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मॉडल जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बैठक में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू प्रबंध) सुनील कुमार मिश्रा ने मृदा एवं जल संरक्षण योजनाओं पर जानकारी दी, जबकि सीईओ कैम्पा ओपी यादव ने वनों में जलधाराओं के पुनर्जीवन के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। प्रभारी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संयुक्त वन प्रबंधन) नावेद शुजाउद्दीन ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पर चर्चा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ वन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य योजना) मोरिस नंदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (बजट) श्रीमती संगीता गुप्ता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) प्रेम कुमार, मुख्य वन संरक्षक श्रीमती शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक (बांस मिशन) एस. वेंकटाचलम, मुख्य वन संरक्षक रायपुर राजू अगासीमनी, कैम्पा के संयुक्त सीईओ अमिताभ बाजपेई, वन संरक्षक श्रीमती सातोविषा समाजदार, वन संरक्षक (उत्पादन) श्रीमती सलमा फारूकी और वन संरक्षक मणिवासगन शामिल थे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए और उपयोगी सुझाव दिए।

बैठक के बाद अधिकारियों ने नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी का दौरा किया, जहां श्रीमती सातोविषा समाजदार और गणवीर धामशील ने उन्हें वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन की जानकारी दी। इसके बाद आईएफएस अधिकारियों का दल धमतरी वनमंडल का दौरा करेगा, जहां वनमंडलाधिकारी धमतरी, जाधव श्रीकृष्ण के समन्वय में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इस दौरान अधिकारी पाम्पर नाला में मृदा एवं जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करेंगे, दुगली में स्थित लघु वनोपज प्रसंस्करण केंद्र का दौरा करेंगे और रायपुर के संजीवनी एवं बांस एम्पोरियम में वन उत्पादों से जुड़े मूल्य संवर्धन के प्रयासों को समझेंगे।

निगम उपायुक्त व डॉ. दिव्या चन्द्रवंशी ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा और डॉ. दिव्या चन्द्रवंशी रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत दलदल सिवनी, मोवा, विजय नगर, लाभाण्डी स्कूल सहित सभी बड़े मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन नगर निगम जोन-9 के उप अभियंता अतुल बंसल, रूचि साहू की उपस्थिति में किया और सभी आवश्यक मूलभूत सुविधायें छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग और रायपुर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के दिशा-निर्देश अनुरूप सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ तत्काल उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने निगम जोन-3 क्षेत्र के अंतर्गत सरदार प्रीतम सिंह सैनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला श्याम नगर, जे आर नायडू स्कूल, सचदेवा स्कूल मतदान केन्द्र सहित अन्य मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इसी प्रकार निगम जोन 10 के तहत पुरैना स्कूल सहित अन्य मतदान केन्द्रों का अवलोकन करते हुए उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा एवं डॉ. दिव्या चन्द्रवंशी ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग और रायपुर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (स्थानीय निर्वाचन) के दिशा-निर्देश अनुसार सभी मतदान केन्द्रों में आवश्यकतानुसार छाया की व्यवस्था करवाने, रेम्प बनवाने, वाल राइटिंग करवाने, सफाई, शुद्ध पेयजल, प्रकाश व्यवस्था शौचालय की सफाई व्यवस्था और सभी मतदान केन्द्रों के सम्पूर्ण परिसरों में स्वच्छता कायम करने का कार्य करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं।

69वें रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह कार्यक्रम में रेल कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए मंडल प्रबंधक ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर द्वारा उल्लास अधिकारी क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, रायपुर में 69वां रेल सप्ताह समारोह (मंडल रेल प्रबंधक स्तर)-2024 मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद के आतिथ्य में आयोजित किया गया। भारत में पहली बार रेल का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 में मुम्बई से थाणे के मध्य रेल चलाकर की गई थी। इस ऐतिहासिक घटना की याद में रेल मंत्रालय सहित सभी क्षेत्रीय रेलवे, वर्कशॉप, यूनिटों एवं मंडलों में प्रति वर्ष रेल सेवा पुरस्कार मनाया जाता है। 69वां रेल सप्ताह समारोह 2024 में रेल कर्मचारियों को कैलेंडर वर्ष 2023 में उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया।

69वां रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद का स्वागत वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्लोक उच्चारण एवं दीप प्रज्वलित कर इस समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग ने स्वागत संबोधन में कठिन परिश्रम, लगन और निष्ठा की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय रेल नेटवर्क, टीम वर्क का श्रेष्ठ उदाहरण है। इस वृहत प्रणाली को गतिमान रखने में रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस पारस्परिक सामंजस्य एवं सहयोग के बिना इस रेल तंत्र को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं है। अपनी स्थापना के बाद से ही रायपुर मंडल लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है।

लदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए रायपुर मंडल रिकार्ड लदान कर भारतीय रेल पर प्रतिवर्ष नया कीर्तिमान रचता आ रहा है और मुझे प्रसन्नता है कि यह परंपरा इस वर्ष भी कायम रही है। इसी के परिणामस्वरूप हमारे मंडल पर रिकार्ड राजस्व अर्जन हुआ। सभी उपलब्धियों का श्रेय हमारे अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं कर्मचारियों के कठिन परिश्रम को जाता है। हम इसी सेवा भावना एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते रहेंगे। साथ ही अन्य कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया ।

69वां रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 33 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार एवं 27 समूह पुरस्कार प्रदान किए गए। रेल कर्मियों द्वारा तैयार किये गये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। पुरस्कार वितरण के पश्चात मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, रायपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं समस्त यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित रेल कर्मचारीगण उपस्थित थे।

तीरंदाजी में छग की महिला वर्ग ने टीम इवेंट में हासिल किया कांस्य, चांदनी ने ब्रांच मेडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्तराखंड में 38वां नेशनल गेम खेला जा रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहा है। इसी के तहत तीरंदाजी के महिला इवेंट वर्ग में उनका मुकाबाला उत्ताखंड से हुआ जहां उन्हें कांस्य पद से संतुष्ट होना पड़ा । वहीं व्यक्ति वर्ग में चांदनी साहू ने ब्रांच मेडल हासिल किया। छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ उनके स्वागत के लिए खिलाड़ियों के लौटने का इंतजार कर रहा है। अपने घोषणा अनुरुप मेडल हासिल करने वाले खिलाडियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जल्द ही 25 25 हजार रुपए नगद पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे।

छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के महासचिव कैलाश मुरारका ने बताया कि तीरंदाजी प्रतियोगिता को देखने के लिए आज हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे थे और वे घरेलू खिलाड़ियों को समर्थन कर रहे थे। छत्तीसगढ़ की ओर से चांदनी साहू, सुलोचना राज, सुशिला नेताम और हर्षिता साहू ने शानदार शुरुआत करते हुए उत्ताखंड के तीरंदाज महिला खिलाड़ियों को पहला सेट टाई करने पर मजबूर कर दिया, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में वे इसे बरकरार नहीं रख सकें और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को कास्यं पदक से संतुष्ट होना पड़ा।

दूसरा मैच हुआ जिसमें व्यक्तिगत महिला वर्ग में चांदनी साहू ने ब्रांच मेडल प्राप्त किया और उत्तराखंड में छत्तीसगढ़ का तिरंगा लहराया। मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विष्णुदेव साय, खेल मंत्री टंक राम वर्मा, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मेडल प्राप्त खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ की ओर से भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने पहल ही घोषणा की थी की जो नेशनल गेम में मेडल लेकर आएंगे उन्हें 25 25 हजार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। जिन खिलाड़ियों ने मेडल हासिल किया है पहले तो उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा उसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों उन्हें पुरुस्कार स्वरुप यह राशि प्रदान किया जाएगा।

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट को मिली नई रिलीज तारीख

जॉन अब्राहम ने प्रशंसकों के साथ एक दिलचस्प सरप्राइज शेयर किया है। अभिनेता-निर्माता ने वेदा के बाद अपनी अगली फिल्म की घोषणा की है , जिसमें वह एक बार फिर पावर-पैक एक्शन स्टार के रूप में नजर आएंगे। द डिप्लोमैट नामक इस फिल्म की घोषणा कुछ साल पहले प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के सहयोग से की गई है।

इस फर्स्ट लुक पोस्टर में अभिनेता काफी फॉर्मल अवतार में नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि फिल्म मद्रास कैफे , परमाणु और बाटला हाउस जैसे उनके यह फिल्म भी किसी राजनीतिक ड्रामा की तर्ज पर होगी । इंस्टाग्राम पर इसके बारे में साझा करते हुए, अभिनेता ने फोटो को कैप्शन दिया, साहस और कूटनीति की इस कहानी को जीवंत करने के लिए सम्मानित। देश को हिला देने वाली एक सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में शक्ति, देशभक्ति की एक मनोरंजक कहानी दिखाने की उम्मीद है।

पोस्ट में, अभिनेता ने रिलीज की तारीख यानी 7 मार्च, 2025 भी साझा की। द डिप्लोमैट के बारे में अधिक बात करते हुए, जॉन एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म शिवम नायर द्वारा निर्देशित और रितेश शाह द्वारा लिखित है। यह फिल्म टी-सीरीज, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है।

पहले यह फिल्म 11 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में इसे बदल दिया गया। प्रशंसक लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में यह घोषणा उनके फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है।

बता दें कि फिल्म का निर्माण जॉन अब्राहम, भूषण कुमार, समीर दीक्षित, अश्विन, राजेश बहल, विपुल शाह और कृष्णन कुमार मिलकर कर रहे हैं। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जो नाम शबाना और मुखबिर जैसी फिल्म और वेब सीरीज बना चुके हैं।

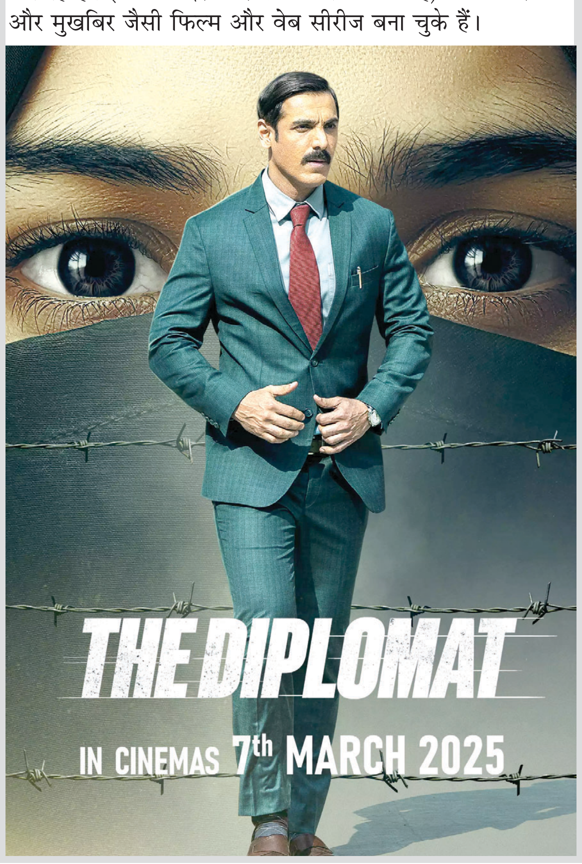

परेश रावल की तेरा यार हूं मैं से जुड़ीं नेहा खान

पिछले काफी समय से दिग्गज अभिनेता परेश रावल अपनी आगामी फिल्म तेरा यार हूं मैं को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है।

यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए जाने-माने निर्देशक और निर्माता इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अब तेरा यार हूं मैं की स्टार कास्ट में नेहा खान भी शामिल हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तेरा यार हूं मैं में अमन की जोड़ी नेहा के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। निर्माताओं ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए नेहा से संपर्क किया है और अभिनेत्री ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि नेहा फिल्म में तनिषा नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी। तेरा यार हूं मैं जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। इस फिल्म निर्माता इंद्र कुमार हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। उदित नारायण और आदित्य नारायण मिलकर इस फिल्म के गानों में अपनी आवाज देने वाले हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऑफ शोल्डर टॉप में अवनीत कौर ने बढ़ाईं फैंस की धड़कनें

अवनीत कौर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं जो वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय कर लिया है। एक्ट्रेस अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीत लेती हैं। उनके गॉर्जियस अवतार से लोगों का नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है।

अवनीत कौर ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है जिसकी फोटोज वायरल हो रही हैं। मरून कलर के ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग स्कर्ट पहने एक्ट्रेस बेहद स्टनिंग दिख रही हैं। इसे उन्होंने मैचिंग हाफ ब्लेजर के साथ पेयर किया है। वहीं उनकी स्कर्ट में बना गुलाब के फूलों वाला डिजाइन उनके आउटफिट को और भी खूबसूरत बना रहा है। इस ग्लैमरस ड्रेस के साथ अवनीत ने ब्लैक हील्स कैरी किए हैं। खुले बालों के साथ वे काफी हसीन लग रही हैं। अवनीत ने अपना हेयरस्टाइल कर्ली रखा और डार्क लिप्स्टिक के साथ अपने लुक को फाइनल किया। उन्होंने कभी बैठकर पोज दिए तो कभी खड़े होकर फोटोशूट कराया। फोटोज शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- दोबारा मेरे रेड हेट दौर में।

अवनीत की इन तस्वीरों ने फैंस के दिलों की धड़कन तेज कर दी है। एक फैन ने कमेंट किया- सुंदरी। दूसरे ने लिखा- गॉर्जियस। इसके अलावा एक शख्स ने लिखा- इस सुपर स्माइल को किसी की नजर ना लगे। बता दें कि अवनीत कौर ने फिल्म टीकू वेड्स शेरू से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वे फिल्म लव की अरेंज मैरिज में भी नजर आ चुकी हैं। इन दिनों अवनीत लव इन वियतनाम की शूटिंग कर रही हैं।

यामी गौतम को पिछली बार फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। इस फिल्म में उनकी काम की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। पिछले कुछ दिनों से यामी अपनी आगामी फिल्म धूम धाम को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।

इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ बनी है और यह दोनों के बीच पहला सहयोग है। अब धूम धाम का पहला पोस्टर सामने आ गया है। धूम धाम के नए पोस्टर में यामी और प्रतीक की झलक दिख रहा है। जहां यामी हाथ में बंदूक थामे नजर आ रही हैं, वहीं प्रतीक काफी डरे हुए दिख रहे हैं। फिल्म के लेखक यामी के पति आदित्य धर हैं, वहीं ऋषभ सेठ इसके निर्देशक हैं।

धूम धाम रोमांस और कॉमेडी से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें शादी के इर्द-गिर्द मस्ती भरी कहानी पेश की जाएगी। इस फिल्म को यामी गौतम के पति आदित्य धर प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। बेशक फिल्म का पोस्टर मजेदार अंदाज में साझा किया गया है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है।

इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म 14 फरवरी, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

धूम धाम का नया पोस्टर जारी, यामी गौतम और प्रतीक गांधी की दिखी झलक

देवा का नया गाना बस तेरा प्यार है जारी, विशाल मिश्रा ने लगाए सुर

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की फिल्म देवा को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थी, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है।

अब इस बीच निर्माताओं ने देवा का नया गाना बस तेरा प्यार है जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में शाहिद और पूजा की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। देवा का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है, वहीं सिद्धार्थ रॉय कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में पावेल गुलाटी ने भी अभिनय किया है।

इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक दबंग पुलिसवाले का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में पूजा एक पत्रकार बनी हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, देवा ने अब तक 28.15 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। फिल्म का बजट 80 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर देवा का सामना अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स से हो रहा है। यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है।

जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह बड़े पर्दे पर दोनों की पहली फिल्म है। इसके अलावा हिमेश रेशमिया और प्रभु देवा की फिल्म बैडएस रवि कुमार भी दर्शकों के बीच आ गई है।

क्या कैन वाले पेय पीना सेहत के लिए हानिकारक होते हैं?

आजकल बाजार में कई तरह के पेय पदार्थ कैन में उपलब्ध हैं। लोग इन्हें आसानी से खरीदकर पीते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन कैन का आपकी सेहत पर क्या असर पड़ सकता है? कैन वाले पेय पीने के कुछ संभावित नुकसान हो सकते हैं, जिनके बारे में जानना जरूरी है। इस लेख में हम इन्हीं नुकसानों के बारे में चर्चा करेंगे और आपको बताएंगे कि किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि सेहत सुरक्षित रहे।

एल्यूमिनियम की समस्या

कैन आमतौर पर एल्यूमिनियम से बने होते हैं। जब आप इनसे पेय पदार्थ पीते हैं तो थोड़ी मात्रा में एल्यूमिनियम आपके शरीर में जा सकती है। यह धातु आपके मस्तिष्क और हड्डियों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। हालांकि, एक बार या कभी-कभी सेवन करने पर इसका असर कम होता है, लेकिन नियमित रूप से ऐसा करना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि आप ताजे फलों का रस या अन्य प्राकृतिक विकल्प चुनें।

बिस्फेनॉल ए (बीपीए) की उपस्थिति

कैन के अंदर एक पतली प्लास्टिक की कोटिंग होती है, जिसमें बिस्फेनॉल ए (बीपीए) नामक रसायन होता है। यह रसायन हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकता है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। बीपीए को लेकर कई शोध हुए हैं जो बताते हैं कि यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप कांच या स्टील की बोतलों का उपयोग करें।

स्वाद और पोषण की कमी

कैन वाले पेय पदार्थों में अक्सर कृत्रिम स्वाद और रंग मिलाए जाते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इनमें पोषक तत्वों की भी कमी होती है क्योंकि ये प्रसंस्कृत होते हैं और इनमें शक्कर समेत अन्य आर्टिफिशियल तत्व मिलाए जाते हैं। ऐसे पेय पदार्थ न केवल वजन बढ़ाते हैं बल्कि मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ाते हैं। ताजे फलों का रस या नारियल पानी जैसे प्राकृतिक विकल्प चुनना हमेशा बेहतर होता है।

पर्यावरणीय प्रभाव

एल्यूमिनियम कैन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं क्योंकि इन्हें बनाने और रिसाइकिल करने में बहुत ऊर्जा लगती है। अगर इन्हें सही तरीके से नहीं फेंका जाता है तो ये प्रदूषण का कारण बन सकते हैं। प्लास्टिक कचरे की तरह ये भी हमारे पर्यावरण को हानि पहुंचा सकते हैं। इसलिए हमें इनके उपयोग को कम करने की कोशिश करनी चाहिए ताकि हम पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें।

गंदी सी गंदी चाय की छन्नी क्यों न हो, इन आसान नुस्खों से करें साफ

ज्यादातर लोगों की सुबह की शुरुआत गर्म चाय से होती है। वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके लिए चाय के बिना दिन की शुरुआत करना असंभव होता है। हालांकि हमें चाय बनाना और पीना जितना पसंद होता है, उतना ध्यान चाय छानने वाली छन्नी पर नहीं होता है। इससे चाय की छन्नी गंदी हो जाती है। इस गंदगी के कारण छन्नी बहुत खराब दिखाई देने लगती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से ये गंदगी नुकसानदायक हो सकती है, क्योंकि समय के साथ साफ न करने की वजह से इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। चाय छानने के बाद चाहे हम इसे कितना भी साफ कर लें, यह गंदी हो ही जाती है।

डिशवॉश मिलाएं

चाय छन्नी को साफ करने के लिए गुनगुने पानी में डिश वॉश डाल कर घोलें। इसमें छन्नी को 25 मिनट के लिए डुबा दें फिर पुराना टूथब्रश लें और इसे रगड़ कर साफ करें। इससे छोटे से छोटे गंदगी के कण ब्रश से साफ हो जाएंगे।

गर्म पानी से साफ करें

चाय छन्नी को सिंक में ले जाकर ऊपर से गर्म पानी डालें। इसके बाद स्क्रबर से रगड़ कर छन्नी को साफ करें।

नींबू से साफ करें

चाय छन्नी को साफ करने के लिए नींबू को काटकर छन्नी में इसे रगड़ दें। फिर कुछ समय के लिए छोड़ दें और पानी से साफ करें।

बेकिंग सोडा और विनेगर से साफ करें

आप छन्नी को साफ करने के लिए एक कटोरी में बेकिंग सोडा और विनेगर ले सकते हैं। फिर इसमें छन्नी को डाल कर कुछ समय के लिए भिगाकर रख दें। इसके बाद स्क्रबर से रगड़ कर साफ करें लें।

डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपाय, जल्द मिलेगा आराम

सर्दियों मौसम में चलने वाली ठंडी हवाएं हमारी त्वचा के साथ-साथ स्कैल्प पर भी असर डालती हैं, जिससे सर में डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। इससे न सिर्फ बालों की सुंदरता कम होती है, बल्कि बालों में खुजली और रूखापन भी आ जाता है। इससे राहत पाने के लिए लोग बाजार में मिलने वाले एंटी-डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये हमेशा सफल साबित नहीं होते हैं। आयुर्वेद में रूसी को जड़ से खत्म करने के लिए प्राकृतिक उपचार बताया गया है, जो स्कैल्प के स्वास्थ्य को बनाए रखता है और बालों को हेल्दी रखने में मदद करता है। आइए जानते हैं डैंड्रफ को दूर करने के आयुर्वेदिक उपाय के बारे में विस्तार से।

नीम का इस्तेमाल

नीम में एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाये जाते हैं, जो सर की रूसी को कम करने और स्कैल्प को साफ रखने में मदद करते हैं। इसके लिए आप नीम की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें और इसे सिर पर 20-30 मिनट लगाकर गुनगुने पानी से धो लें।

मेथी का उपयोग

मेथी का उपयोग रूसी को कम करने में मदद करती है और स्कैल्प की सूजन को भी कम करती है। मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखें और सुबह पीसकर पेस्ट बनाकर बालों में 30 मिनट लगाकर पानी से धो लें।

नारियल और नीम का इस्तेमाल

नारियल का तेल और नीम का तेल बालों में लगाने से पोषण देता है साथ ही रूसी की समस्या को खत्म करता है। इसके लिए आपको नारियल तेल में नीम का तेल मिलाकर हल्के हाथों से सिर पर मालिश करना होगा। फिर 1-2 घंटे बाद बालों को शैंपू से धो लेना होगा।

मोर जल मोर माटी ने लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीण आय को दिया बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी सामुदायिक विकास पहल मोर जल मोर माटी के अंतर्गत लाख खेती के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य लाख की खेती पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर, किसानों को सशक्त बनाना है। इस प्रशिक्षण में उन लोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनके पास बेर, कुसुम और पलाश जैसे पेड़ हैं जो इसके लिए नये हैं।

अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचने के लिए अनेक सत्र आयोजित किये गए। आयोजित सत्र में 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। आने वाले समय में कई प्रशिक्षण सत्र और आयोजित किये जाएंगे। आने वाले समय में अधिक किसान इस पहल से लाभान्वित होंगे। आय के द्वितीयक स्त्रोत के रूप में लाख की खेती की शुरुआत कर बालको ने 400 से अधिक किसानों के लिए 50,000 की अतिरिक्त औसत आय उत्पन्न करने में मदद की है।

छत्तीसगढ़ एक प्रमुख लाख उत्पादक राज्य है। जलवायु परिवर्तन के कारण पैदावार में उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा कोरबा कभी एक प्रमुख उद्योग केंद्र था। 2023 में मोर जल मोर माटी पहल ने आधुनिक तरीकों के साथ झारखंड से विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करके क्षेत्र में लाख की खेती को पुनर्जीवित किया। इसने स्थानीय किसानों और कर्मचारियों को सशक्त बनाया है।

किसान अब संसाधनों को साझा करते हैं और साथ मिलकर खेती करते हैं। इस पहल के साथ ब्रूड लाख की आपूर्ति होती है। इसकी खेती साल में दो बार होती है। बीज उत्पादन तथा व्यावसायिक उत्पादन, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि होती है। लकड़ी की फिनिशिंग, भोजन, सौंदर्य प्रसाधन, आभूषण इत्यादि जरूरी चीजों में इसका उपयोग होता है। इसके व्यावसायिक मूल्य के साथ लाख की खेती समुदायों के लिए स्थायी आजीविका का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही समुदाय द्वारा संचालित भूमि प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा जैव विविधता संरक्षण में सहायता प्रदान करती है। कौशल और ज्ञान की कमी ने इसके विकास को सीमित कर दिया है। वैज्ञानिक खेती के तरीकों को अपनाने से मौजूदा लाख उगाने वाले क्षेत्रों में उत्पादकता को बढ़ावा मिलै है। लाख के उप-उत्पाद में ब्र, रंग और मोम शामिल हैं।

इसका उपयोग खाद्य, सौंदर्य प्रसाधन, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, चिपकने वाले पदार्थ, वार्निश और पेंट जैसे उद्योगों में किया जाता है। बेहतर खेती के तरीके लाभप्रद होने के साथ किसानों को पारंपरिक फसलों के लिए अधिक आकर्षक विकल्प भी प्रदान करता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि मोर जल मोर माटी प्रोजेक्ट के माध्यम से हम किसानों को कृषि नवाचार एवं आधुनिक तकनीक के जोड़कर सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

किसानों को नई तकनीक अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधन से सशक्त बनाकर हम दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। आय का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान कर हम ग्रामीण समुदाय की आजीविका का समर्थन कर रहे हैं। यह प्रतिबद्धता आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थिरता बढ़ाने के हमारे व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कोरबा के परसाखोला गाँव के अमल ने अपनी कहानी साझा करते हुए कहते हैं कि एक किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण, मैंने हमेशा लाख की खेती करने के बारे में सोचता था। हमारे गाँव का प्राकृतिक वातावरण इसके लिए एकदम सही है। हालांकि आर्थिक कारणों से मैंने अपनी आकांक्षाओं का पीछा नहीं किया। जब मुझे मोर जल मोर माटी परियोजना के बारे में पता चला तो यह बदल गया। इसके तहत बेला में वेदांता कृषि संसाधन केंद्र (वीएआरसी) में लाख के बीज और प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण से मिली जानकारी से लाख की खेती शुरू की और लगभग ?80,000 का लाभ कमाया।

बालको की मोर जल मोर माटी परियोजना 40 गांवों में लगभग 2200 एकड़ से अधिक भूमि के साथ 5700 किसानों तक अपनी पहुंच बना चुका है। परियोजना का कार्यान्वयन बायफ इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड के सहयोग किया जा रहा है। परियोजना मौजूदा संसाधनों के साथ सतही जल प्रबंधन में सुधार, सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने और वर्षा पर निर्भरता को कम करने के लिए बहु-फसल को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह किसानों को लाख की खेती, पशुपालन, बागवानी और गैर-लकड़ी वन उपज जैसे नए रास्ते दिखाकर साल भर आय सृजन को सुनिश्चित किया है। किसानों विभिन्न प्रशिक्षण एवं कृषि नवाचार के लिए वेदांता एग्रीकल्चर रिसोर्स सेंटर (वीएआरसी) की स्थापना की गई है।

एम्स में राजेन्द्र निगम का सम्मान

देहदान के प्रति जागरूकता पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के एनाटॉमी विभाग द्वारा शरीर दान करने वालों के परिजनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एमबीबीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में माना कैंप वृद्धाश्रम द्वारा अब तक 8 शव दान किए जाने पर वृद्धाश्रम के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार निगम को एम्स के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल ने प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में शरीर दान की परंपरा को महर्षि दधीचि और रावण संहिता के उल्लेख के साथ जोड़ा गया। शरीर दान से शोध और चिकित्सा शिक्षा को होने वाले लाभों को रेखांकित किया गया, साथ ही समाज में अधिक से अधिक लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस दौरान मेडिकल विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें नृत्य, गायन और वादन शामिल था। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेणु राजगुरु, एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. सौमित्र त्रिवेदी, डॉ. मृतुन्जय राठौर, डॉ. अबू सिद्दीकी, डॉ. मनीषा सिंहा, डॉ. अमित, डॉ. धरम सिंह राठिया, डॉ. राहुल ऊके सहित कई चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, मेडिकल छात्र और एम्स के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि शरीर दान न केवल चिकित्सा छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देने में सहायक होता है, बल्कि शोध और नई चिकित्सकीय खोजों के लिए भी अनिवार्य है। एम्स रायपुर इस दिशा में लगातार प्रयासरत है और आम जनता को इस महती कार्य में सहयोग देने के लिए प्रेरित कर रहा है।

जनता ने दिल्ली के विकास का मार्ग प्रशस्त किया : बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

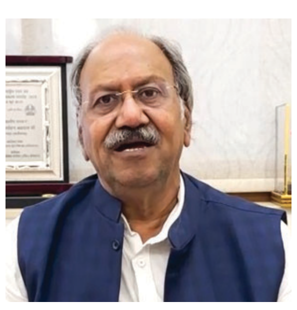

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिले प्रचंड जनादेश के लिए समस्त दिल्लीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह विजय प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता के अटूट विश्वास और विकास के प्रति उनके समर्पण का परिणाम है।

सांसद अग्रवाल ने कहा, दिल्ली की जनता ने 26 वर्षों के बाद इतिहास रचते हुए पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाया है। इस अभूतपूर्व जनादेश ने न केवल दिल्ली के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया है कि देश और दिल्ली की जनता भाजपा और मोदी के नेतृत्व में अटूट विश्वास रखती है।

उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की सशक्त संगठनात्मक रणनीति और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन का परिणाम है। दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम कर इस विजय को सुनिश्चित किया है, जिसके लिए वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत विकास, सुशासन और राष्ट्रवादी नीतियों के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने दिल्ली की जनता, भाजपा कार्यकर्ताओं और समस्त नेतृत्व को इस ऐतिहासिक विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। बृजमोहन ने यह भी कहा कि, आने वाले निकाय चुनाव में रायपुर की जनता भी दिल्ली की तरह यहां कमल खिलाएगी।

मास्टर ट्रेनर ने त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतपेटी की तकनीकी जानकारी प्रदान की

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के तहत बेमेतरा जिले के चारों जनपद पंचायत बेमेतरा, नवागढ़, साजा और बेरला मे निर्वाचन हेतु अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित किया गया, जिसमें प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 01:00 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक संचालित की गई।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे अधिकारीयों और कर्मचारियों से संवाद किया और मास्टर ट्रेनर्स को निर्देशित किया कि वे निर्वाचन संबंधी सभी आवश्यक जानकारियाँ विस्तृत रूप से दें। शर्मा ने यह भी कहा कि निर्वाचन के दिन किसी भी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो, इसके लिए प्रशिक्षण सटीक और प्रभावी होना चाहिए। इस दौरान कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया और कर्मचारियों से उनकी तैयारियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया को निर्बाध और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी कर्मचारियों को सतर्क और सुव्यवस्थित होना आवश्यक है। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने कों कहा ताकि जिले में चुनाव निष्पक्ष और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकिता गर्ग, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, एसडीएम दिव्या पोटाई, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे 7 प्रशिक्षण मे मास्टर ट्रेनर ने पंचायत चुनाव के दौरान उपयोग की जाने वाली मतपेटियों की तकनीकी जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मतपेटी की संरचना, उपयोग विधि और उसकी सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। मास्टर ट्रेनर ने बताया कि मतपेटी का सही उपयोग चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाए रखने में अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। इसके साथ ही, मतपेटियों की सीलिंग प्रक्रिया, मतपत्रों की गिनती और उसकी सुरक्षा को लेकर भी अहम निर्देश दिए गए। यह प्रशिक्षण आगामी पंचायत चुनाव में उपयोगी साबित होगा और चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में सहायता करेगा।

कलेक्टर और एसपी ने किया आईटी कॉलेज कटघोरा और पाली में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के सफल आयोजन हेतु तैयारियां जारी है। नगरीय निकाय निर्वाचन अंतर्गत मतदान सामग्री का वितरण मतदान से एक दिन पहले 10 फरवरी को निर्धारित स्थानों से किया जाएगा। इसके लिए नगर पालिक निगम कोरबा और बांकीमोंगरा नगर पालिका परिषद अंतर्गत मतदान सामग्रियों का वितरण तथा सामग्री की वापसी आईटी कॉलेज में एवं नगर पालिका परिषद दीपका, कटघोरा, नगर पंचायत छुरी अंतर्गत चुनाव सामग्री का शासकीय मुकटधर महाविद्यालय कटघोरा से तथा नगर पंचायत पाली हेतु सामग्री का वितरण पाली में किया जाएगा। नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत तथा पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने कोरबा के आईटी कॉलेज कोरबा, कटघोरा तथा पाली में निर्मित स्ट्रांग रूम तथा 10 फरवरी को किए जाने वाले निर्वाचन सामग्री वितरण की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान दलों के प्रवेश, उनकी वाहन व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, सामग्री वितरण के लिए बनाए जाने वाले काउंटर इत्यादि व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने यहाँ सभी आवश्यक सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे मतदान दल आसानी से सामग्री लेकर रवाना हो सकें।

कलेक्टर श्री वसंत ने स्ट्रांग रूम तथा सामग्री वितरण और वापसी स्थल आईटी कॉलेज कोरबा, कटघोरा और पाली का निरीक्षण किया।

उन्होंने कटघोरा-पाली एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी रोहित सिंह, सीमा पात्रे से निर्वाचन हेतु की गई तैयारी की जानकारी ली। उन्हांने यहां रुट व्यवस्था, मतदान केंद्रों की जानकारी, ईवीएम मतगणना कक्ष के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अन्तर्गत मतपेटी वितरण, काउंटर की जानकारी, टेबुलेशन की जानकारी लेकर निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान लॉ एंड ऑर्डर बनाये रखने के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया किया संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सतत निगरानी रखी जाएं। मतदान सामग्री वितरण समय पर करने के साथ ही निर्धारित मतदान केंद्रों में मतदान दल समय पर पहुंच जाएं। कलेक्टर ने मतदान दलों के रवानगी और समय पर मतदान केंद्रों पर पहुचने, समय पर मतदान कराने के साथ ही सुरक्षित वापसी के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कमीशनिंग कार्यों का जायजा लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। नगरीय निकाय निर्वाचन - 2025 अंतर्गत जिले के एक नगर पालिका परिषद एवं पांच नगर पंचायत में 11 फरवरी 2025 को मतदान होगा।

गरियाबंद जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने जिले के एक नगर पालिका परिषद एवं पांच नगर पंचायत के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कमीशनिंग कार्यों का जायजा लिया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कमीशनिंग का कार्य कृषि उपज मंडी परिसर में किया गया। इस दौरान संबंधित नगरीय निकायों के रिटर्निंग ऑफिसर और अभ्यार्थियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिले के एक नगर पालिका परिषद एवं पांच नगर पंचायत के लिए 4-4 टेबल लगाकर मतदान के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की कमीशनिंग कार्य किया गया। इसके माध्यम से बीयू में बैलेट पेपर लगाएं गए और पिंक पेपर से सील किया गया।

ईवीएम में ईसीआईएल के इंजीनियरों के मार्गदर्शन से कार्य किया गया। कलेक्टर ने ईवीएम की कमीशनिंग पश्चात संबंधित बीयू- सीयू को नगरीय निकायों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद गरियाबंद, नगर पंचायत राजिम, कोपरा, फिंगेश्वर, देवभोग एवं छुरा में 15-15 वार्ड है। इनके लिए 30-30 मशीनों का कमीशनिंग कार्य किया गया।

इस दौरान अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपूत, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं सेक्टर आफिसर एवं कमीशनिंग कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जिले के एक नगर पालिका परिषद एवं पांच नगर पंचायत निर्वाचन 11 फरवरी 2025 को मतदान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा।

वोट के अधिकार का उपयोग करने किया जा रहा जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़, सरिया, बरमकेला, भटगांव, सरसीवा और पवनी के मतदाताओं को वोट के अधिकार को ईवीएम प्रदर्शन के दौरान समझाया जा रहा है कि वोट का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त है। आप अपने मतदान के अधिकार का जिम्मेदारी से उपयोग करें। यह अधिकार आपको अपने क्षेत्र के भविष्य को आकार देने का अवसर प्रदान करता है। वोट देने से पहले, यह सुनिश्चित करें कि आप अपने उम्मीदवार को पूरी तरह से जानते हैं कि वह आपका, आपके क्षेत्र का उत्थान करेगा। इसके अलावा, पैसा, शराब, कपड़ा जैसे अन्य प्रलोभन से बचें। हमारे हितों या सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध प्रलोभन के कई रूप हो सकते हैं, जैसे कि रुपए या अन्य मटेरियल लाभ, सामाजिक मान्यता या प्रतिष्ठा आदि। प्रलोभन से बचने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने मताधिकार के मूल्यों और हितों को स्पष्ट रूप से समझें और अपने निर्णयों को सोच-समझकर लें। वोट देने में, प्रलोभन से बचने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने मतदान के अधिकार का उपयोग अपने विवेक और निर्णय के आधार पर करें, न कि किसी प्रलोभन या दबाव के कारण।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में एक की मौत

रायगढ़ (ए.)। रायगढ़–जशपुर मार्ग पर ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी। इस हादसे में बुजुर्ग पिता की मौत हो गई। वहीं पुत्र गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ग्राम उर्दना के पास शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया है। इसके चलते रायगढ़–जशपुर मार्ग पर भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई है। ग्रामीण मृतक के परिजनों को 20 लाख मुआवजा व परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे। जानकारी के मुताबिक, ट्रक रायगढ़ से घरघोड़ा की तरफ जा रहा था, इस दौरान ट्रक ने बाइक सवार पिता–पुत्र को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। इस हादसे में घायल पिता की अस्पताल में मौत हो गई। वहीं बेटे का उपचार जारी है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर आपका भी दिल दहल जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

जगदलपुर-बीजापुर हाईवे में तीन लोगों की मौत

रायपुर। जगदलपुर–बीजापुर नेशनल हाईवे–63 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 3 युवकों की मौत हो गई। इन तीनों के शवों को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज लाया गया है। फिलहाल, तीनों मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। मामला परपा थाना क्षेत्र के तेलीमारेंगा का है।

बताया जा रहा है कि, तीनों बाइक सवार युवक बीजापुर की तरफसे जगदलपुर की तरफ आ रहे थे। सुबह करीब 4 बजे किसी अज्ञात वाहन ने इन्हें टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोर की थी कि तीनों युवक काफी दूर फेंका गए। वहीं, हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों के शवों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। परपा थाना प्रभारी का कहना है कि, तीनों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इन्हें कौन सी गाड़ी ने टक्कर मारी है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जानकारी जुटा रहे हैं।

रायपुर में मीडिया कर्मियों से दुर्व्यवहार, दो हुए गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में हुए हादसे की सूचना पुलिस को न देने और कवर करने गए मीडिया कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले दो कर्मियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इनका वेरिफिकेशन भी कर रही है। इनमें से एक पवन तिवारी बोधनाथ उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम पुरेझाम तिवारीपुर बहुता पोलही जिला बाराबंकी यूपी है। दूसरा अखिल ए पिता अजय कुमार उम्र 27 वर्ष निवासी मादविलकती विदु आलपपुरम तिरुमला जिला तिरुवनंतपुरम थाना पूंजपुर केरल को सिविल लाइंस थाने में रखा गया है।

पुलिस दोनों के व्यक्तिगत वेरिफिकेशन भी कर रही है इन दोनों ने मीडिया कर्मियों से हाथापाई कर घटना शूट कर रहे उनके कैमरे और मोबाइल छीनकर फेंक दिए थे। पुलिस इन्हें किराए में मकान देने वाले मकान मालिकों पर भी कार्रवाई कर सकती है क्योंकि इन्होंने इनके किराए दार होने की जानकारी संबंधित इलाके के थाने में नहीं दी और छिपाई।

ऑपरेशन मुस्कान : एसएसपी शशिमोहन सिंह बोले- जशपुर में 138 बच्चों को सकुशल बरामद किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एएसपी शशिमोहन सिंह की पदस्थापना के बाद एक साल में 138 बच्चों को सकुशल बरामद कर परिजनों के चेहरे पर खुशियां लौटाई गई। देश के विभिन्न राज्यों से 19 बच्चे व राज्य के विभिन्न जिलों से 15 बच्चे बरामद किए गए। गुम बच्चों के मामलों में से 56 मामले में प्रेम प्रसंग के कारण, 49 मामले में घर से नाराज होकर तथा 33 मामलों में काम की लालच में झांसे आकर बच्चे घर छोड़ कर चले गए थे। जशपुर पुलिस इस संबंध में बच्चों की जागरूकता के लिए अभियान चलाएगी। गुम बच्चों के अतिरिक्त गुम इंसान के मामलों में एक साल के भीतर 342 लोगों को दस्तयाब किया गया।

गौरतलब है कि जशपुर पुलिस गुम बच्चों को ढूंढने अत्यंत संवेदनशील है, जिसके मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह के नेतृत्व व दिशा निर्देश में जशपुर पुलिस ,ऑपरेशन मुस्कान के तहत् लगातार गुम बच्चों को ढूंढने प्रयासरत है । जशपुर पुलिस के द्वारा निरंतर प्राथमिकता के आधार पर अपने सक्रिय मुखबीर तंत्र व पुलिस की टेक्निकल टीम की मदद तथा गुम बच्चों के परिजनों के सहयोग से राज्य के विभिन्न जिलों से बच्चों को दस्तयाब कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया जा रहा है, साथ ही जशपुर पुलिस की टीम राज्य के बाहर जाकर भी गुम बच्चों को ढूंढ वापस ला रही है।

अलग-अलग राज्यों से किया रेस्क्यू

जशपुर पुलिस के द्वारा विगत एक वर्ष से अब तक 138 बच्चों को दस्तयाब किया जा चुका है। जिनमें से 34 बच्चों को जिले के बाहर से दस्तयाब किया गया है, इसमें 19 बच्चों को देश के अन्य राज्यों से दस्तयाब कर वापस लाया गया है हैं। देश के विभिन्न राज्यों से दस्तयाब किए गए बच्चों का आंकड़ा क्रमशः इस प्रकार है हरियाणा राज्य से एक, झारखंड राज्य से चार, उत्तरप्रदेश से एक, तमिलनाडु से दो, हिमाचल प्रदेश से एक, महाराष्ट्र से तीन, उड़ीसा से एक, कर्नाटक से पांच तथा दिल्ली से एक बच्चे को दस्तयाब किया गया है।

जशपुर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

गुम मामलों में अधिकांश में नाबालिक बच्चे प्रेम प्रसंग के कारण घर से भाग जाते हैं, इस संबंध में जशपुर पुलिस के द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को जागरूक किया जाएगा। गुम बच्चों के अतिरिक्त विगत एक वर्ष में जशपुर पुलिस को गुम इंसानों के दस्तयाबी में भी सफलता मिली है, अब तक जशपुर पुलिस द्वारा 342 गुम इंसानों को दस्तयाब सकुशल घर लौटाया जा चुका है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर ने बताया की जशपुर पुलिस के द्वारा गुम बच्चों को ढूंढने के लिए जिले के बाहर तथा राज्य के बाहर लगातार टीम भेजी गई, जिसका नतीजा रहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को ढूंढने में सफल हुए, खासकर नाबालिक बालक व बालिकाओं को ढूंढना पुलिस के लिए पुलिस के लिए चुनौती थी, पर अंततः परिणाम सुखद रहे।

जशपुर पुलिस द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों से 15 बच्चों को क्रमशः रायगढ़ जिले से 12 बच्चे, शक्ति जिले से 01 बच्चे, बिलासपुर जिले से 01 बच्चे को तथा अंबिकापुर से 01 बच्चे को दस्तयाब किया जाकर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया जा चुका है, शेष 104 बच्चों को जिले के भीतर विभिन्न थाना व चौकी क्षेत्रों से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया है। यहां यह बताना आवश्यक है की दस्तयाब किए गए 138 नाबालिक बच्चों में 56 मामले में बच्चे प्रेम प्रसंग के कारण,49 मामले में घर वालों से नाराज होकर तथा 29 मामले में काम के लालच में झांसे में आकर, व 04 मामले में घूमने के बहाने घर छोड़ कर चले गए थे।

कोरबा में 6 करोड़ की साइबर ठगी मामले में 10 आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। 6 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का जिला पुलिस की साइबर सेल और थाना सिविल लाइन की संयुक्त टीम ने पर्दाफाश करते हुए बताया कि इस मामले में 35 म्यूल अकाउंट्स की पहचान की गई है, जिनके जरिए यह धोखाधड़ी की जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में आकाश दास (27), सलियाभोठा, बाकीमोगरा, अजय दुबे (35), डिगापुर टावर, सिविल लाइन, कोरबा, आयुष तिवारी (23), पुरानी बस्ती, भंडारी चौक, कोरबा, सचिन कुमार (21), जमनीपाली, मोहन टॉकीज के पास, दर्री, कोरबा, सरफराज मसूवी (19), शिव नगर, रूमगढ़ा, बालको नगर, कोरबा, लखन चौहान (25), इंदिरा नगर, जमनीपाली, दर्री, कोरबा, शिव रतन बिझवार (41), कुचैना दादर पारा, कुसमुंडा, कोरबा, अमित बरेठ (20),

महुदा, चांपा, जांजगीर–चांपा, सुशांत चतुर्वेदी (20), 15 ब्लॉक, सीएसईबी, कोरबा तथा अजय कमलेश (21), न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खरमोरा शामिल हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी बैंक खातों को किराए पर लेकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। इन खातों में संदेहास्पद लेनदेन के जरिए करोड़ों रुपये का फर्जी ट्रांजेक्शन किया गया।

कोरबा पुलिस नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बैंक खाते, ओटीपी, पासवर्ड या कोई वित्तीय दस्तावेज किसी के साथ साझा न करें। ऐसा करने से वे साइबर अपराध में फंस सकते हैं। आकर्षक जॉब ऑफर या जल्दी पैसा कमाने की योजनाओं से बचें, अपना बैंक खाता किसी को न दें तथा असामान्य लेनदेन या दबाव डालने वाले किसी भी ऑफर से सतर्क रहें।

सैक्स चैट करने वाले गिरोह पकड़ाया, 6 ठग गिरफ्तार

बलौदाबाजार। सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक को सैक्स चैट में फंसाने वाले सेक्सटॉर्शन गैंग को पकड़ने में कोतवाली पुलिस व सायबर सेल की संयुक्त टीम ने सफलता हासिल की है। मामले में बिहार व हरियाणा से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, वैष्णव कॉलोनी निवासी सेवानिवृत सहायक प्राध्यापक ने कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई कि 16 जनवरी को उसे अंजान नंबर से वीडियो कॉल आया, जिसमें उसे सेक्स चैट में फंसाया गया। इसके बाद कॉल रिकॉर्डिंग के जरिए आरोपियों ने 22 जनवरी तक पीड़ित को ब्लैकमेल कर 6.80 लाख रुपए की वसूली की। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करते हुए साइबर सेल की मदद ली गई। पड़ताल के बाद सेक्सटॉर्शन गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार की, इनमें कुलदीप सिंह, बैकुंठ कुमार चौधरी, राजेश कुमार, सावन कुमार, निशु कुमार, शशि कुमार शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर के खाते को किराए पर लेकर आरोपियों ने उगाही की है। मामले का खुलासा करते हुए एएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि सेक्सटॉर्शन मामले में 6 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। वीडियो कॉल के जरिए बुजुर्ग से वसूली की गई थी। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और अनजान नंबरों से आए वीडियो कॉल से बचने की अपील की। ऐसी घटना होने पर साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे, ताकि त्वरित सहायता मिल सके।

क्राइम ब्रांच ने 65 से अधिक चाकूबाज और हिस्ट्रीशीटरों को लगाई फटकार व ली परेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने, सुरक्षा व शांति व्यवस्था सहित आगामी चुनाव के मद्देनजर पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल एवं प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट निरीक्षक परेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा 8 फरवरी 25 को अलग- अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत 65 से अधिक चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों को क्राईम ब्रांच में हाजिर किया गया।

पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों की परेड़ ली जाकर उन्हें कड़ाई से समझाईश दी गई, कि वे किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त ना रहें तथा उनके साथी जो अपराधों में संलिप्त रहते है, उनके संबंध में भी पुलिस को जानकारी देने कहा गया। प्रत्येक सप्ताह अपने

संबंधित थानों में जाकर हाजिरी देने व अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करते हुये, पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है तो तत्काल उपस्थित होने कहा गया। उनके निवास क्षेत्रों के आसपास किसी भी प्रकार की छोटी–बड़ी घटना होने पर सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा आगामी चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करने कहा गया।

इसके साथ ही सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो में गुण्डा, डॉन, माफिया, गैंगस्टर सहित अन्य कई विभिन्न नामों से अपना आई.डी. बनाकर हाथ में चाकू, तलवार, एयर गन, पिस्टलनुमा लाईटर गन सहित अन्य हथियारों के साथ फोटो, विडियो व रील्स बनाकर अपने इंस्टाग्राम आई.डी. में अपलोड कर पोस्ट करने वालों को भी कड़ाई से समझाईश दिया गया, कि वे इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना करें तथा किसी भी प्रकार के अपराधों में लिप्त ना रहें। साथ ही ऐसे लोगों के आई.डी. को सायबर सेल की टीम द्वारा डिलीट कराया जा रहा है। अब तक कुल 400 से अधिक चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों को क्राईम ब्रांच हाजिर कर कड़ाई से समझाईश दिया जा चुका है।

सुरक्षा गार्ड को ट्रक ने कुचला

रायपुर। तेलीबांधा थाने से कुछ ही दूरी शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में एक बाइक सवार की जान चली गई। मृतक, मैग्नेटो मॉल में सुरक्षा गार्ड था। उसे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान रमेश जोशी निवासी कवर्धा के रूप में हुई है।

अनिमा एस. कुजूर ने नगर सेना कार्यालय का निरीक्षण कर जवानों की समस्याओं को जाना

रायपुर। शनिवार को अनिमा एस. कुजूर, संभागीय सेनानी, नगर सेना, रायपुर संभाग, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा कार्यालय जिला सेनानी, नगर सेना, रायपुर का वार्षिक कार्यालय निरीक्षण एवं किट–पेटी निरीक्षण के दौरान जवानों द्वारा मार्च पार्स्ट एवं सलामी दी गई। जिसमें जवानों ने अपनी समस्यों के बारे में रूबरू कराया, जिसके निरकरण के लिए जवानों को आश्वासन दिया गया। जवानों को उच्चकोटि के अनुशासन में रहने तथा सजगता के साथ ड्यूटी करने की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान नगर सेना, अग्निशमन एवं एसडीआरएफके 191 जवान सम्मिलित रहे। जिले के निरीक्षण के दौरान जिला सेनानी, नगर सेना एवं जिला अग्निशमन अधिकारी पुष्पराज सिंह उपस्थित रहे।

100 नग मोबाईल को ढूंढ कर फोन मालिकों को किया सुपुर्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुम मोबाईल फोन की बरामदगी सुनिश्चित करते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को गुम मोबाईल फोन को ढूंढ कर बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थानों की संयुक्त टीम द्वारा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत गुम मोबाईल फोन के आवेदनों पर गुम हुए मोबाईल फोन को ढूंढने का विशेष अभियान चलाया गया।

पुलिस टीम द्वारा गुम हुए कुल 100 नग मोबाईल फोन को प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अलग – अलग स्थानों से ढूंढ कर बरामद किया गया। कुल 100 नग मोबाईल फोन कीमती लगभग 20 लाख रूपये

बरामद कर आज 08 फरवरी 2025 को मोबाईल फोन को उनके स्वामियों को वितरित किया गया।

गुम हुए मोबाईल फोन को बरामद करने के दौरान एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर वर्तमान में चला रहे मोबाईल धारक से गुम होने की मोबाईल उसके द्वारा चलाये जाने की जानकारी देकर उसे सायबर सेल रायपुर में जमा करने कहने पर मोबाईल धारक द्वारा मोबाईल फोन को बंद भी कर दिया जाता था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर मोबाईल धारक को तस्दीक कराकर उनसे मोबाईल फोन बरामद कर थाने में जमा कराया। उसके पश्चात् अन्य राज्यों एवं विभिन्न जिलों से मोबाईल फोन को कुरियर के माध्यम से मंगाया गया। इस दौरान कुछ मोबाईल धारको को गुम मोबाईल चलाये जाने के बारे में बताये जाने पर उनके द्वारा स्वयं से भी कुरियर कराया गया है।

रायपुर पुलिस द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मोबाईल फोन बरामद किया गया। जिसमें से उड़ीसा, महाराष्ट्र, मध्य–प्रदेश, झारखण्ड तथा बिहार से मोबाईल फोन बरामद किया गया। वर्ष 2024 – 25 में अब तक 02 करोड़ 85 लाख रुपये कीमत के कुल 1351 नग गुम हुए मोबाईल फोन को मोबाईल फोन मालिकों को वापस किया गया है। रायपुर पुलिस समस्त जनता से अपील करती है, कि मोबाईल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल www.ceir.gov.in पोर्टल में गुम होने के संबंध में जानकारी भेजे एवं अपने नजदीकी थाना/सायबर सेल से संपर्क करें, जिससे मोबाईल फोन का किसी भी अपराध में उपयोग ना हो सके। अपने मोबाईल फोन को हमेशा पासवर्ड प्रोटेक्टेड रखें। जागरूक रहकर किसी भी प्रकार के सायबर अपराध से बचा जा सकता है। रायपुर पुलिस आम जनता से अपील करती है, यदि किसी व्यक्ति को कोई भी मोबाइल फोन लावारिस अथवा अन्य हालत में प्राप्त होती है, तो ऐसे मोबाइल फोन को तत्काल कार्यालय साइबर सेल सिविल लाइन रायपुर में जमा करें सकें। मोबाइल फोन जमा करने वाले व्यक्ति को रायपुर पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

Urgent Requirements

Profile: Senior Accountant.Job
Types: Full-time, Permanent,
Experience: 5-8 years. Pay: 20,000.00 - 40,000.00 per month
Working Time:- 10.00am To 7.00Pm
Qualification: Bachelor's in Accounting/Finance (CA/CPA/MBA preferred).
Cont. No. 6232 926 014

जगदलपुर में मुख्यमंत्री साय का रोड शो, बोले-

अटल विश्वास पत्र में किया गया हर वादा होगा पूरा, ट्रिपल इंजन की सरकार में होगा विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शनिवार को जगदलपुर में भारतीय जनता पार्टी का ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रोड शो आयोजित हुआ, जिसमें भारी जनसमर्थन देखने को मिला। एयरपोर्ट से शुरू हुए इस भव्य रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। कमल के झंडों से सजी सड़कों पर उमड़े जनसैलाब ने भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत दे दिया।

मुख्यमंत्री साय ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 11 फरवरी को कमल का बटन दबाकर भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएं और महापौर प्रत्याशी श्री संजय पांडे सहित सभी 48 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाकर ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ जगदलपुर को दिलाएं। उन्होंने कहा कि जैसे विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाया गया, वैसे ही नगर निगम चुनाव में भी भाजपा को जिताकर कांग्रेस को मजा चखाना है।

प्रदेश में अभूतपूर्व योजनाएं लागू की गई

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश में अभूतपूर्व योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ जनता को सीधे मिल रहा है। 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, धान का समर्थन मूल्य ?3100 प्रति क्विंटल तय किया गया है और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी हो रही है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस, 70 लाख माताओं-बहनों को 'महतारी वंदन योजना' का लाभ, तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500 प्रति मानक बोरा, 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को श्रीरामलला दर्शन और काशी यात्रा का लाभ तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना' के तहत हर साल 10,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

भाजपा की जीत से नगर निगम क्षेत्रों में होगा तेज गति से विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ में विकास की नई इबारत लिखी गई है, और अब नगर निगम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से शहरों के विकास की रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाएं ताकि जगदलपुर को स्मार्ट और समृद्ध नगर बनाया जा सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस ऐतिहासिक रोड शो ने यह स्पष्ट कर दिया कि जगदलपुर की जनता भाजपा को नगर निगम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने 11 फरवरी को कमल के पक्ष में भारी मतदान कर भाजपा की जीत सुनिश्चित करते हुए जगदलपुर का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित कर विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने में सहयोग देने की सभी से अपील की। इस ऐतिहासिक रोड शो में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक विनायक गोयल, महापौर प्रत्याशी संजय पाण्डे, पूर्व विधायक संतोष बाफना, पूर्व महापौर सफीरा साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अटल विश्वास पत्र के हर वादे को भाजपा सरकार पूरा करेगी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भाजपा ने अटल विश्वास पत्र जारी किया है और उसमें किए गए हर वादे को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही मात्र 13 महीनों में विकास की गंगा बहाई गई है, जिससे जनता का भाजपा पर विश्वास और मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भाजपा सरकार ने नगरीय निकायों के विकास के लिए 7,000-8,000 करोड़ से अधिक की राशि जारी की है, जिससे शहरों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास बनाए जाएंगे, नजूल भूमि पर बसे परिवारों को मालिकाना हक देने के लिए नया कानून लाया जाएगा, महिलाओं के नाम पर संपत्ति कर में 25त्न की छूट मिलेगी, समय पर बिजली बिल और संपत्ति कर भरने वालों को पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को ?2.5 लाख तक का बिना गारंटी लोन, स्ट्रीट वेंडर्स को ?30,000 की आर्थिक सहायता और यूपीएससी पास करने वाले छात्रों को महापौर सम्मान निधि के तहत ?1 लाख की सहायता दी जाएगी।

रायपुर में मुख्यमंत्री साय ने रोड शो कर भाजपा के लिए मांगा समर्थन

मीनल चौबे के साथ सभी 70 पार्षदों के लिए वोट अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज रायपुर में भारतीय जनता पार्टी का भव्य और ऐतिहासिक रोड शो आयोजित हुआ, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। भनपुरी से शुरू हुए इस भव्य रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सड़कों के दोनों ओर हाथ में कमल का झंडा थामे भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जनों द्वारा पुष्पवर्षा के माध्यम से रोड शो का जगह-जगह स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी जनता का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने रोड शो में उमड़ी भारी भीड़ के लिए जनता का आभार भी जताया।

इस दौरान उन्होंने कहा नगरीय निकाय चुनाव में कमल का बटन दबा कर महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे सहित सभी 70 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं और ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ रायपुर को दिलाएं। रायपुर शहर के विकास की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर छोड़िए। हम रायपुर नगर निगम को नए सिरे से संवारेंगे और जनता को उत्कृष्ट सुविधाएं मुहैया कराएंगे।

सीएम साय ने कहा कि भाजपा सरकार ने नगरीय निकायों के विकास के लिए ?7,000-8,000 करोड़ से अधिक की राशि जारी की है, जिससे शहरों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास बनाए जाएंगे, नजूल भूमि पर बसे परिवारों को मालिकाना हक देने के लिए नया कानून लाया जाएगा, महिलाओं के नाम पर संपत्ति कर में 25त्न की छूट मिलेगी, समय पर बिजली बिल और संपत्ति कर भरने वालों को पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को ?2.5 लाख तक का बिना गारंटी लोन, स्ट्रीट वेंडर्स को ?30,000 की आर्थिक सहायता और यूपीएससी पास करने वाले छात्रों को महापौर सम्मान निधि के तहत ?1 लाख की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश में अभूतपूर्व योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ जनता को सीधे मिल रहा है। 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, धान का समर्थन मूल्य ?3100 प्रति क्विंटल तय किया गया है और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी हो रही है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस, 70 लाख माताओं-बहनों को 'महतारी वंदन योजना' का लाभ, तेंदूपत्ता संग्रहण दर ?5500 प्रति मानक बोरा, 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को श्रीरामलला दर्शन और काशी यात्रा का लाभ तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना' के तहत हर साल 10,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। रोड शो में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम जी, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी , पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे जी, जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित अन्य वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ के चार दिवसीय दौरे पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून की ओर से 32 भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ राज्य के चार दिवसीय दौरे पर आया हुआ है। आईएफएस अधिकारियों का यह दल अपने मिड कैरियर ट्रैनिंग फेज-3 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में वन प्रबंधन की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं एवं मॉडल का अवलोकन-अध्ययन करेगा। अधिकारियों की इस अध्ययन यात्रा का उद्देश्य लघु वनोपज प्रबंधन, सामुदायिक वन प्रबंधन और मृदा-नमी संरक्षण के मॉडल को देखना और समझना है।

आईएफएस अधिकारियों का दल आज धमतरी पहुंचा, जहां वन मण्डलाधिकारी जाधव श्रीकृष्ण एवं अन्य अधिकारियों के साथ पाम्पर नाला में मृदा एवं जल संरक्षण कार्यों और दुगली स्थित लघु वनोपज प्रसंस्करण केंद्र में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया वन मण्डलाधिकारी जाधव श्रीकृष्ण अधिकारियों के दल को प्रसंस्करण केन्द्र के माध्यम से लघु वनोपज का संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गौरतलब है कि आईएफएस अधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ राज्य में वन प्रबंधन मॉडल को जानने और समझने के लिए रायपुर पहुंचा। रायपुर में अधिकारियों ने अरण्य भवन, नवा रायपुर में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री वी. श्रीनिवास राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राव ने सतत वन प्रबंधन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और रणनीतियों को साझा किया। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ वन विभाग की विभिन्न पहलों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज महासंघ के प्रबंध संचालक अनिल कुमार साहू ने लघु वनोपज के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मॉडल जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू प्रबंध) सुनील कुमार मिश्रा ने मृदा एवं जल संरक्षण योजनाओं पर जानकारी दी, जबकि सीईओ कैम्पा ओ.पी. यादव ने वनों में जलधाराओं के पुनर्जीवन के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। प्रभारी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संयुक्त वन प्रबंधन) नावेद शुजाउद्दीन ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पर चर्चा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ वन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य योजना) मोरिस नंदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संगीता गुप्ता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार, मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक एस. वेंकटाचलम,वन संरक्षक सातोविषा समाजदार, वन संरक्षक सलमा फारूकी और वन संरक्षक मणिवासगन शामिल थे।

द फर्स्ट फिल्म को मिला बेस्ट फिल्म तो पीयूष ठाकुर को बेस्ट डायरेक्टर अवॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर आर्ट, लिटरेचर एवं फिल्म फेस्टिवल के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया। पद्मश्री पंडी राम मंडावी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। फेस्टिवल के तीसरे संस्करण में 5 फिल्मों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही 3 फिल्मों को विशेष जूरी अवॉर्ड दिया गया।

अवॉर्ड सेरेमनी में फिल्में पुरस्कृत

अवॉर्ड सेरेमनी में द फर्स्ट फिल्म को बेस्ट शॉर्ट फिल्म पुरस्कार, पीयूष ठाकुर को द फर्स्ट फिल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर, थुनई को सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी अवॉर्ड और सुमित्रा साहू को जमगहीन फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। RALFF25 के विशेष पुरस्कार की श्रेणी में मन आसाई को सर्वश्रेष्ठ सामाजिक फिल्म अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया। विशेष जूरी पुरस्कार की श्रेणी में कमजखिला, ब्यांव, हेल्प योरसेल्फ को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री पंडी राम मंडावी ने सभी पुरस्कृत फिल्म और निर्माताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं और लोक कलाओं को नई पहचान दिलाने में सहायक होते हैं। पंडी राम मंडावी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल कला-संस्कृति को बढ़ावा देते हैं बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं। फिल्म फेस्टिवल में मैक्सिको से आई सेसेलिया डियाज़ ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण है। समाज को जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। सेसेलिया डियाज़ मैक्सिको में स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार काम कर रहीं हैं।

अमेरिका से आए कवि किरण भट्ट ने कहा कि छत्तीसगढ़ कला संस्कृति का गढ़ है। यह कार्यक्रम कला और संस्कृति को सहजने का अच्छा प्रयास है। फिल्म फेस्टिवल में शामिल होकर बहुत रोमांचित हूं। इस अवसर पर कवि एवं गीतकार मीर अली मीर ने कहा कि आज के दौर में कहानी कहने के माध्यम बदल रहे हैं और फिल्मों के ज़रिये सामाजिक विषयों को प्रस्तुत करना एक प्रभावशाली तरीका बन चुका है। यह फेस्टिवल हमारी कला और संस्कृति को सहेजने और संरक्षित करने का एक सराहनीय प्रयास है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि यह फेस्टिवल कला, साहित्य और फिल्म का एक अनोखा संगम है, जो युवा पीढ़ी को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अद्भुत अवसर देता है। आने वाले समय में यह फेस्टिवल भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। फेस्टिवल क्यूरेटर प्रीति उपाध्याय शुक्ला ने बताया कि यह फेस्टिवल केवल फिल्म प्रदर्शन का माध्यम नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को आगे बढ़ाने का एक अनूठा प्रयास है। यहां क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्मकारों के बीच संवाद स्थापित हुआ है, जो कला के नए आयामों को जन्म देगा। हमारा उद्देश्य है कि इस मंच से छत्तीसगढ़ की कहानियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। अगले संस्करण में और अधिक फिल्मों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को जोड़ने की योजना है।

रायपुर आर्ट, लिटरेचर एवं फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर कुणाल शुक्ला ने कहा कि यह फेस्टिवल नए और प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं को मंच प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारी कोशिश है कि यहां प्रदर्शित होने वाली फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों और जीवन की कहानियों को एक नई दिशा मिले। फेस्टिवल ने छत्तीसगढ़ के फिल्म निर्माताओं के लिए भी नई संभावनाएं खोली हैं। बी-साइड फिल्म फेस्टिवल में 15 साल के चाइल्ड फिल्म मेकर की फिल्म बी-साइड का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की पहली बायोपिक फिल्म मंदराजी की भी स्क्रीनिंग की गई।

परिचर्चा, कार्यशाला और फिल्म की स्क्रीनिंग

फेस्टिवल के अवसर पर परिचर्चा और कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। परिचर्चा के पहले सत्र में जिंदगी... कैसी है पहेली विषय पर मुकेश पांडेय , अज़ीम उद्दीन, भागवत जायसवाल और दिव्यांश ने अपनी बात रखी। वहीं दूसरे सत्र में दिस क्राइंग अर्थ, दीज़ वीपिंग शोर्स (ट्रांसनेशनल इंडिजिनस डायलॉग) पर मीर अली मीर, सेसिलिया डियाज़, और किरण भट्ट ने अपनी राय रखी। हिंदी शॉर्ट फिल्में - कदम, बंटू'स गैंग, बोटल, द स्ट्रीट एंजल, 04, बिटवीन वर्ल्ड्स तथा डॉक्यूमेंट्री - चिंताराम, जुनून और ज़माना का प्रदर्शन किया गया। साथ ही जम्मू-कश्मीर से केरल तक की बहुभाषी शॉर्ट फिल्में - ब्यांव (राजस्थानी), प्रदक्षिणा (मराठी), एनाउंसमेंट - ए मार्टर स्टोरी (हिंदी), थुनाई (तमिल), हेल्प योरसेल्फ (अंग्रेज़ी/हिंदी), मन आसाई (तमिल), जमगहीन (छत्तीसगढ़ी), कमजखिला (अन्य), द फर्स्ट फिल्म (हिंदी) की स्क्रीनिंग की गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950